mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-04 अंक-166 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
16 जून 2024 रविवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

भारतीय टीम के...
@ पेज 7

संक्षिप्त समाचार

ईडी ने खनन माफिया हाजी इकबाल पर कसा शिकंजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के खनन माफिया और पूर्व विधायक हाजी इकबाल पर (प्रवर्तन निदेशालय) ईडी ने शिकंजा कस दिया है। लंबे समय से फरार चल रहे हाजी इकबाल पर अवैध खनन से लेकर कई मामले दर्ज हैं। जानकारी के अनुसार हाजी दुबई में है। जिस पर कार्रवाई

करते हुए ईडी ने 4 हजार करोड़ से ज्यादा की संपत्ति जब्त की है। बीते कुछ सालों से यूपी की योगी सरकार माफियाओं को मिट्टी में मिलाने का काम कर रही है। इस कड़ी में सरकार ने कई माफियाओं को मिट्टी में भी मिलाया है। लेकिन इस बार कार्रवाई यूपी सरकार ने नहीं बल्कि ईडी की तरफ से की गई है।

जमू-कश्मीर में सुरक्षा बलों की चौकसी बढ़ी

अमरनाथ यात्रा

- पीएम का दौरा और विधानसभा चुनावों से पहले अलर्ट पर एजेंसियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर में हाल के आतंकी हमलों के बाद राज्य में सुरक्षा एजेंसिया कड़ी चौकसी बरत रही हैं। एजेंसियों के सामने सबसे बड़ी चुनौती जल्दी ही शुरू होने जा रही अमरनाथ यात्रा को सकुशल पूरा कराना है। इसके अलावा वहां अगले कुछ महीनों में विधानसभा चुनाव भी होने वाले हैं। इसके साथ ही कुछ दिनों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राज्य के दौरे पर जाने की भी संभावना है।

सुरेश गोपी बोले

इंदिरा गांधी मदर ऑफ इंडिया

त्रिशूर (एजेंसी)। केरल के त्रिशूर से बीजेपी सांसद और केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को मदर ऑफ इंडिया कहा। उन्होंने दिवंगत कांग्रेसी मुख्यमंत्री के करुणाकरण को भी साहसी मुख्यमंत्री बताया। गोपी ने कहा कि वह इंदिरा गांधी को भारत की मां मानते थे, इसलिए करुणाकरण उनके लिए राज्य में कांग्रेस पार्टी

के पिता थे। गोपी बुधवार 12 जून को पुन्कुन्नम में करुणाकरण के स्मारक मुरली मंदिरम गए थे। उन्होंने मीडिया से चर्चा के दौरान यह भी कहा कि उनके दौरे का कोई राजनीतिक अर्थ न निकाला जाए, क्योंकि वे अपने गुरु को श्रद्धांजलि देने आए हैं। गोपी केरल से भाजपा के पहले सांसद हैं। उन्होंने सीपीएम के सुनील कुमार को 75 हजार वोटों से हराया है।

आग उगल रहा सूरज...तपिश जारी

गर्मी ने तोड़े सारे रिकार्ड, नौतपा से भी हो रहा बुरा हाल

- दिल्ली में 6 साल का रिकॉर्ड टूटा, यूपी- बिहार में हाल बेहाल
- भीषण गर्मी की चपेट में पूरा उत्तर भारत,रात में भी चल रही लू

नई दिल्ली (एजेंसी)। जून का एक पखवाड़ा बीत चुका है और गर्मी ने अभी भी हालत पस्त की हुई है। दिल्ली सहित देश के कई राज्य इस समय ज्वाला सा जल रहे हैं। दिन ही नहीं अब तो रात में भी लू चल रही है। हालांकि गाजियाबाद और बिहार के कुछेक इलाकों में छिटपुट बरसात तो हुई लेकनि वह भी नाकाफी है। लोगों को न घर में चैन मिल रहा है और न ही रात में। मॉनसून ने दस्तक तो दे दी है पर अभी उसे पूरी तरह छाने में भी समय लगेगा। अधिकतम तापमान 45 से 47 डिग्री तक जा रहा है। इस भयानक गर्मी के चपेट में सबसे ज्यादा दिल्ली है। यहां गर्मी कम होने का नाम ही नहीं ले रही है। सीजन में पहली बार लोगों को दिन के बाद अब रात में भी लू झेलनी पड़ी है। इस बार न्यूनतम तापमान तक 33 डिग्री पहुंच चुका है। हालांकि देर दोपहर कुछ जगहों पर आंधी और बूंदाबांदी हुई लेकिन इसके बावजूद लू और गर्म हवाओं का दौर जारी रहा। मौसम विभाग ने 18 जून तक गर्मी और लू का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

अबकी पहाड़ी इलाके भी अछूते नहीं

हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड ठंडी जगहें माने जाते हैं। कई लोग गर्मी मिटाने के लिए इन इलाकों का चुनाव करते हैं,लेकिन इस गर्मी ने इन दो राज्यों को भी अपने चपेट में ले लिया है। दिन के समय उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में भी हीटवेव चल रही है। मौसम विभाग की मानें तो अगले दो तीन दिन भी हीटवेव के साथ तापमान में बढ़ोतरी लोगों को परेशान कर सकती है। इस दौरान बारिश या हल्की बूंदाबांदी की भी संभावना नहीं है।

राजस्थान और यूपी का हाल भी ठीक नहीं

राजस्थान और उत्तर प्रदेश भी इस प्रचंड गर्मी से अछूते नहीं हैं। 20 जून तक यहां भी हीटवेव का येलो अलर्ट है। यही हाल यूपी और राजस्थान के पूर्वी और पश्चिमी इलाके में भी है। दिन में लू या कहें हीटवेव ने परेशान कर रखा है तो वहीं रात में भी गर्म हवाएं तापमान बढ़ाए हुए हैं।

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के खिलाफ बड़ी स्ट्राइक

8 नक्सलियों को सुरक्षा बलों ने उतारा मौत के घाट

नई दिल्ली (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ होने की खबर आ रही है। इस मुठभेड़ में 8 नक्सलियों को मारे जाने की सूचना मिल रही है। वहीं इस मुठभेड़ में एक जवान के घायल होने की भी सूचना मिल रही है। अबूझमाड़ के नक्सलियों की राजधानी माने जाने वाले इलाके कुतुल, फरसबेड़ा, कोड़तामेटा के जंगलों में मुढभेड़ रही है। इस मुठभेड़ में 8 नक्सलियों के मारे जाने की खबर मिल रही है। वहीं सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कोंडागांव नारायणपुर, दंतेवाड़ा, कांकेर में सीआरपीएफ, डीआरजी (आत्मसमर्पण कर चुके नक्सलियों की टीम) और स्थानीय पुलिस बल की सहायता से कार्यवाही की जा रही है। पिछले दो दिनों से इलाके में एंटी नक्सल ऑपरेशन लांच करके कार्यवाही की जा रही है। बीते दिनों छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने स्पष्ट कर दिया था कि छत्तीसगढ़ में नक्सली यदि गोली की भाषा ही समझते हैं तो सरकार उनको उनके ही भाषा में जवाब देगी। वहीं सरकार नक्सलियों के आत्मसमर्पण करके की बात पर भी तैयार है। जबकि छत्तीसगढ़ के डिप्टी सीएम ने बताया कि जल्दी ही छत्तीसगढ़ से माओवाद की काली छाया दूर होगी।

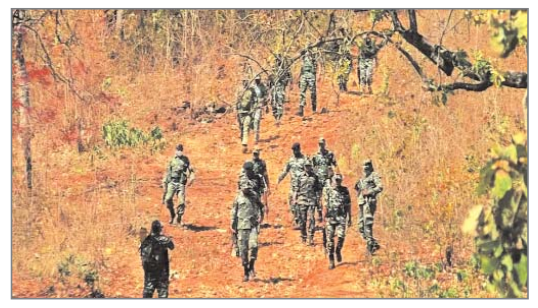

अलकनंदा नदी में गिरी ट्रैवलर, 12 लोगों की मौत

- उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में भीषण हादसा,तलाश जारी
- 23 पर्यटक सवार थे,घायलों को एयरलिट किया गया

रुद्रप्रयाग (एजेंसी)। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में भीषण हादसा हुआ है। यात्रियों से भरी टेंपो ट्रैवलर बद्रीनाथ हाईवे पर गहरी खाई में गिर गई। इस दुर्घटना के समय वाहन में 23 यात्रियों के सवार होने की खबर सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दुर्घटना में 12 लोगों के मौत हो गई है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर एसडीआरएफ की टीम पहुंची। पुलिस और प्रशासन की टीम भी लगातार राहत और बचाव कार्य में लगी हुई है। एसडीआरएफ की ओर से जानकारी दी गई है। घटना में अब तक दो घायलों को निकाला गया है। बचाव दल ने बताया कि रुद्रप्रयाग में बद्रीनाथ हाईवे के पास एक टेम्पो ट्रैवलर गहरी खाई में गिर गया। एसडीआरएफ और पुलिस की टीम बचाव कार्य कर

रही है। अब तक दो घायलों को टीम ने एंबुलेंस के जरिए अस्पताल पहुंचाया गया है। मिल रही जानकारी के मुताबिक, रुद्रप्रयाग में बद्रीनाथ हाईवे पर हुए एक्सीडेंट में वाहन अलकनंदा नदी में गिर गया। अलकनंदा नदी के किनारे वाहन क्षतिग्रस्त अवस्था में पाया गया है। इस हादसे को लेकर कई प्रकार की बातें सामने आ रही हैं। दावा किया जा रहा है कि अलकनंदा में गिरने के कारण टेंपो ट्रैवलर से स्थानीय लोगों को भी नुकसान पहुंचा है। इसके अलावा दुर्घटना की क्षति को लेकर तरह-तरह के दावे किए जा रहे हैं। अभी प्रशासनिक पुष्टि का इंतजार किया जा रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, दुर्घटना भीषण थी।

सुनीता केजरीवाल सोशल मीडिया से सुनवाई के वीडियो हटाएं

- बोला हाईकोर्ट, मेटा-यूट्यूब को भी वीडियो डिलीट करने का आदेश, कहा- ये नियमों के खिलाफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने शनिवार, 15 जून को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल को कोर्ट के वीडियो सोशल मीडिया से हटाने के आदेश दिए। कोर्ट ने सुनीता, सोशल मीडिया कंपनियां एक्स, मेटा और यूट्यूब समेत 5 को नोटिस जारी कर जवाब मांगा। अगली सुनवाई 9 जुलाई को होगी। यह वीडियो तब का है जब शराब नीति केस में केजरीवाल को अरेस्ट किया गया था और उन्होंने कोर्ट के सामने खुद अपना पक्ष रखा था। हाईकोर्ट ने सोशल मीडिया कंपनियों से कहा, जिन लोगों ने इन वीडियो को रीपोस्ट किया है उसे भी डिलीट किया जाए। जस्टिस नीना बंसल कृष्णा और अमित शर्मा की बेंच ने कहा कि ये वीडियो हाईकोर्ट के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के नियमों के खिलाफ है। याचिका वकील वैभव सिंह ने लगाई थी। याचिका में सिंह ने कहा था,अरविंद केजरीवाल को शराब नीति केस में 21 मार्च को गिरफ्तार किया गया था।

स्विट्जरलैंड के यूक्रेन पीस समिट में शामिल होगा भारत

तारों के जाल से होगी वेन्यू की सुरक्षा,समेलन में हिस्सा नहीं लेंगे रूस, चीन, सऊदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस और यूक्रेन के बीच 840 दिनों से जारी जंग के बीच आज स्विट्जरलैंड के बर्जनस्टॉक रिजॉर्ट में पीस समिट की शुरुआत होगी। 2 दिन तक चलने वाला यह शिखर सम्मेलन जंग रोकने के लिए अब तक का चौथा समिट होगा। इससे पहले कोपेनहेगन, जेद्दा और माल्टा में तीन समिट हो चुकी हैं। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, स्विस अधिकारियों ने सम्मेलन के लिए 160 देशों को न्योता दिया था, जिनमें से भारत समेत करीब 90 देशों के लीडर्स या प्रतिनिधि इसमें हिस्सा लेंगे। हालांकि, कई बड़े देशों ने इसमें शामिल होने से इनकार कर दिया था। वहीं रूस को इस समिट के लिए आमंत्रण नहीं भेजा गया है। रूस के अहम सहयोगी चीन ने भी इस समिट से दूर रहने का फैसला किया है। जी 20 के मौजूदा अध्यक्ष ब्राजील ने भी ऐसा ही किया है। वहीं सऊदी अरब और पाकिस्तान भी समिट में हिस्सा नहीं लेंगे। यूक्रेन के सबसे बड़े समर्थक अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन भी इस समिट में शामिल नहीं होंगे। हालांकि, उनकी जगह उपराष्ट्रपति कमला हैरिस मौजूद होंगी। स्विट्जरलैंड में जुट रहे वर्ल्ड लीडर्स की सुरक्षा के लिए 4 हजार सैनिकों को तैनात किया गया है। इसके अलावा वेन्यू के करीब स्टील की एक रिंग रखी गई है। इसके आसपास के 6.5 किलोमीटर के इलाके में फेंसिंग की गई है। यहां 8 किलोमीटर लंबे तारों का जाल भी बिछाया गया है। स्विट्जरलैंड की मिलिट्री को इलाके में सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनकी एयरफोर्स लगातार क्षेत्र में निगरानी कर रही है। वेन्यू के पास बनाए गए हेलीपोर्ट की सुरक्षा के लिए 5 मिलिट्री हेलीकॉप्टर्स तैनात हैं।

गृहमंत्री अमित शाह ने की जम्मू कश्मीर के हालात की समीक्षा

- आज बुलाई हाई लेवल मीटिंग, डोभाल समेत कई अधिकारी होंगे शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तीर्थयात्रियों को ले जा रही बस पर हमले समेत हाल में हुई कई आतंकवादी घटनाओं के मद्देनजर शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। शाह ने 16 जून को एक उच्चस्तरीय सुरक्षा बैठक भी बुलाई है, जिसमें राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, सेना और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के शीर्ष अधिकारियों समेत अन्य लोग शामिल होंगे। सूत्रों ने कहा कि गृह मंत्री ने रविवार की बैठक में भी सालाना अमरनाथ यात्रा की तैयारियों का जायजा लिया था जो 29 जून से शुरू हो रही है। उस बैठक में गृह मंत्री को जम्मू-कश्मीर के हालात और वहां आतंकवादी घटनाओं के बाद उठाए गए कदमों से अवगत कराया गया।आतंकवादियों ने पिछले चार दिनों में रियासी, कठुआ और डोडा जिलों के चार स्थानों पर हमला किया है, जिसमें नौ तीर्थयात्रियों के अलावा एक सीआरपीएफ जवान की मौत हो गई, जबकि सात सुरक्षाकर्मियों समेत अन्य लोग घायल हो गए। कठुआ जिले में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में दो संदिग्ध पाकिस्तानी आतंकवादी भी मारे गए।

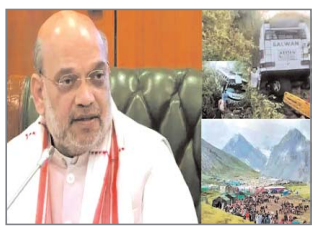

अब आपके मोबाइल पर हर कॉलर का नाम दिखेगा

टेलीकॉम-कंपनियों ने कॉलर आईडी डिस्प्ले सर्विस शुरू की,मुंबई-हरियाणा में ट्रॉयल

नई दिल्ली (एजेंसी)। अब फोन पर अनजान नंबर से कॉल आने पर कॉलर का नाम भी दिखाई देगा। एक अंग्रेजी अखबार की रिपोर्ट के अनुसार टेलीकॉम कंपनियों ने मुंबई और हरियाणा सर्किल में ट्रायल शुरू कर दिया है। आने वाले समय में अन्य शहरों में भी ये सर्विस शुरू करने की योजना है। कॉलिंग नेम प्रेजेंटेशन को स्पैम और फ्रॉड कॉल को रोकने के तरीके के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें हाल के दिनों में बढ़ोतरी देखी गई है। सरकार और टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया के दबाव के बाद कंपनियों ने यह टेस्टिंग शुरू की है। टेलीकॉम कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह कैसे काम कर

रहा है, इसका रिजल्ट जानने के लिए हम सीमित संख्या में इसकी टेस्टिंग कर रहे हैं। इसमें आने वाली कॉल के दौरान नंबर के साथ कॉल करने वाले का नाम भी दिखाई देगा। हम टेस्टिंग के रिजल्ट को डिपार्टमेंट ऑफ टेलीकम्युनिकेशन के साथ शेयर करेंगे, ताकि प्रस्तावित सर्विस के बारे में एक व्यावहारिक निर्णय लिया जा सके। ट्रूकॉलर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर ऋषित झुनझुनवाला ने मनी कंट्रोल से बात करते हुए कहा कि सर्विस कंपनी की मौजूदा कॉलर आईडी एप्लिकेशन की तरह ही होगी, लेकिन इससे उनके बिजनेस पर कोई भी प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

सीएम नीतिश कुमार की अचानक हुई तबीयत खराब

मेदांता अस्पताल में कराया गया भर्ती, हाथों में तेज दर्द की शिकायत

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार की अचानक तबीयत खराब होने की खबर है। उनको मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शनिवार सुबह नीतिश के हाथ में तेज दर्द की शिकायत मिली थी। पटना स्थित मेदांता हॉस्पिटल में नीतिश कुमार की देखरेख कर रही हड्डी रोग विभाग की टीम कर रही है। नीतिश बीते कई महीनों से चुनाव प्रचार समेत कई कामों में व्यस्त थे। इस दौरान उन्होंने कई बार दिल्ली का दौरा किया तो वहीं प्रदेश के विभिन्न जिलों में लगातार दौरा किया। सरकार गठन के लिए नीतिश को एनडीए की बैठकों में भी शामिल होने के लिए जाना रहा।

शिप्रा तीर्थ परिक्रमा केवल यात्रा नहीं पुरातात्विक, आध्यात्मिक स्थलों के महत्व को बढ़ाने, सहेजने और संवारने का माध्यम बनेगी : मुयमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मां शिप्रा तीर्थ परिक्रमा केवल यात्रा नहीं यह शिप्रा तट पर स्थित पुरातात्विक, आध्यात्मिक स्थलों के महत्व को बढ़ाने, सहेजने, संवारने का माध्यम बनेगी। मुख्यमंत्री डॉ यादव आज उज्जैन के पावन रामघाट पर मां शिप्रा तीर्थ परिक्रमा के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा महाकाल की नगरी उज्जयिनी में पुण्य पावन सलिला मोक्षदायिनी शिप्रा के रामघाट पर शिप्रा तीर्थ परिक्रमा के शुभारंभ अवसर पर धर्म, आस्था और विश्वास का अद्भुत दृश्य निर्मित हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रामघाट पर शिप्रा की पूजा-अर्चना अभिषेक व आरती कर ध्वज का पूजन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश की नदियों, जल संरचनाओं के संरक्षण, संवर्धन और

पुनरुद्धार को समर्पित जलाभिषेक अभियान का उपस्थित जन और प्रदेशवासियों को संकल्प दिलाकर शिप्रा तीर्थ परिक्रमा का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत प्रदेश में जल एवं पर्यावरण संरक्षण, नदी पुनरूद्धार एवं पौधारोपण के कार्य किये जा रहे हैं। भारत में जन्म होना भाग्य है और उज्जैन व उसके आसपास जन्म लेना सौभाग्य की बात है। पुण्य-सलीला शिप्रा में 11 नदियां समाहित है। इसके किनारे पर 33 करोड़ देवी-देवताओं का वास है। सभी तीर्थों में अवंतिका तीर्थ बड़ा माना जाता है। शिप्रा तीर्थ परिक्रमा केवल यात्रा नहीं यह शिप्रा तट पर स्थित पुरातात्विक, आध्यात्मिक स्थलों के महत्व को बढ़ाने, सहेजने, संवारने का माध्यम बनेगी। वैदिक घड़ी के माध्यम से उज्जैन का स्टेण्डर्ड समय देश-दुनिया के समय के रूप में पुनर्स्थापित होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी परिक्रमा करने वाले श्रद्धालुओं की सुख-समृद्धि की कामना करते हुए परिक्रमा की सफलता के लिये बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव संत समाज, श्रद्धालुओं और जनप्रतिनिधियों के साथ शिप्रा तीर्थ परिक्रमा में पैदल चलकर शामिल हुए। परिक्रमा करने वालों में अपार उत्साह था, तीर्थ यात्रियों के हाथों में परिक्रमा के ध्वज लहरा रहे थे। परिक्रमा मार्ग पर विभिन्न धार्मिक-सामाजिक और स्वयंसेवी संगठनों ने पुष्पवर्षा कर शिप्रा तीर्थ परिक्रमा का स्वागत किया। प्रारम्भ में शिप्रा तट पर पूजा-अर्चना के पश्चात मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंचासीन सन्तगण बालयोगी श्री उमेशनाथ महाराज (राज्यसभा सदस्य), सन्त श्री भगवानदास महाराज, श्री कुशलदास महाराज, महन्त श्री हरिदास महाराज एवं श्री अनिल गुरु महाराज का स्वागत किया। शुभारंभ अवसर पर सांसद श्री अनिल फिरोजिया, विधायक श्री अनिल जैन कालूहेडा, श्री सतीश मालवीय, महापौर श्री मुकेश टटवाल, नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव एवं पूर्व विधायकगण, अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, पुलिस महानिदेशक श्री सुधीर सक्सेना जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, सन्तगण एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

हाईकोर्ट बोला-सुनीता केजरीवाल सोशल मीडिया से सुनवाई के वीडियो हटाएं

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने शनिवार, 15 जून को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल को कोर्ट के वीडियो सोशल मीडिया से हटाने के आदेश दिए। कोर्ट ने सुनीता, सोशल मीडिया कंपनियां एक्स, मेटा और यूट्यूब समेत 5 को नोटिस जारी कर जवाब मांगा। अगली सुनवाई 9 जुलाई को होगी। यह वीडियो तब का है जब शराब नीति केस में केजरीवाल को अरेस्ट किया गया था और उन्होंने कोर्ट के सामने खुद अपना पक्ष रखा था। हाईकोर्ट ने सोशल मीडिया कंपनियों से कहा, जिन लोगों ने इन वीडियो को रीपोस्ट किया है उसे भी डिलीट किया जाए। जस्टिस नीना बंसल कृष्णा और अमित शर्मा की बेंच ने कहा कि ये वीडियो हाईकोर्ट के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के नियमों के खिलाफ है। याचिका वकील वैभव सिंह ने लगाई थी। याचिका में सिंह ने कहा था, अरविंद केजरीवाल को शराब नीति केस में 21 मार्च को गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद 28 मार्च को ट्रायल कोर्ट में पेश किया गया। इस दौरान उन्होंने अदालत में खुद अपना पक्ष रखा था। इसके बाद सुनीता ने कोर्ट की कार्यवाही की वीडियो रिकॉर्डिंग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट की थी। सिंह ने कहा, यह दिल्ली हाईकोर्ट के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग नियम, 2021 के तहत प्रतिबंधित है। वीडियो पोस्ट करके ट्रायल कोर्ट के जजों की जान खतरे में डालने की कोशिश की गई है। इसकी जांच के लिए एसआईटी का गठन होना चाहिए और एफआईआर दर्ज होनी चाहिए। वीडियो रीपोस्ट करने वाले लोग आम आदमी पार्टी से जुड़े थे। इन्होंने जानबूझकर अदालत को बदनाम करने की कोशिश की। इनके खिलाफ भी जुर्माना लगाया जाना चाहिए।

बिहार लोकसभा चुनाव के बाद नीतीश मंत्रिमंडल की पहली बैठक

पटना: बिहार की राजधानी पटना में शुक्रवार को नीतीश मंत्रिमंडल की बैठक हुई, जिसमें बेरोजगारी भत्ता सहित 25 अहम फैसलों पर मुहर लगाई गई। नीतीश की लोकसभा चुनाव के बाद पहली बैठक है, जिसमें सभी विभागों के मंत्री शामिल हुए। नीतीश कैबिनेट ने बेरोजगार श्रमिकों को बेरोजगारी भत्ता देने के प्रस्ताव को स्वीकृति दी। मंत्रिमंडल ने मनरेगा योजना के तहत काम मांगने पर काम न मिलने की अवस्था में बेरोजगार श्रमिक को जीवन निर्वाह के लिए दैनिक बेरोजगारी भत्ता देने का प्रस्ताव स्वीकृत किया। बता दें कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) योजना के तहत यदि आवेदक को काम मांगने पर 15-20 दिन के अंदर काम नहीं मिलता तो उसे 100-150 दिनों तक दैनिक बेरोजगारी भत्ता देने का प्रावधान है। राज्य सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के मकान किराया भत्ता में 16 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत वृद्धि कर दी है। जेड श्रेणी के शहरों को आठ प्रतिशत के स्थान पर 10 प्रतिशत भत्ता देय होगा। अवर्गीकृत शहरों में भत्ता दर अब छह प्रतिशत की बजाय साढ़े सात प्रतिशत और ग्रामीण क्षेत्रों में चार के स्थान पर पांच प्रतिशत होगी। बिहार की एनडीए सरकार ने राज्य की कॉन्टेंजेंसी फंड में भी इजाफा किया है। वहीं बिहार आकस्मिकता निधि को वित्तीय वर्ष 2024-25 में अस्थाई रूप से बढ़ाकर 10000 करोड़ रुपए करने का निर्णय लिया गया है। इसके अतिरिक्त सीएम ने मंत्रियों को सभी कार्यों को जल्द निपटाने के आदेश दिए।

स्वाति मालीवाल मारपीट मामला-अदालत ने बिभव कुमार की न्यायिक हिरासत 22 जून तक बढ़ाई

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने शनिवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सहयोगी बिभव कुमार की न्यायिक हिरासत 22 जून तक बढ़ा दी।

नीट की परीक्षा दोबारा होनी चाहिए-कर्नाटक के सीएम

बैगलुरू। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शनिवार को कहा कि राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा के लिए दोबारा परीक्षा आयोजित की जानी चाहिए। उन्होंने कहा, नीट परीक्षा में छात्रों के साथ गलत व्यवहार किया गया है। कई छात्रों को रैंक दी गई है, जो कड़ी मेहनत करने वालों के साथ बहुत बड़ा अन्याय है। मैसूर में पत्रकारों से बात करते हुए सीएम सिद्धारमैया ने कहा, छात्रों को पास करने के लिए ग्रेस मार्क्स नहीं दिए जाने चाहिए। ग्रेस मार्क्स देना एक गलत प्रथा है, जिससे बचना चाहिए। मैं इस संबंध में पहले ही अपना बयान दे चुका हूं। उन्होंने कहा, मैंने इस मामले की जांच की मांग की है और दोबारा परीक्षा कराने की भी मांग की है। नीट और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने परीक्षाएं ठीक से आयोजित नहीं की हैं और छात्रों को अन्याय नहीं सहना चाहिए। दक्षिण कर्नाटक में अपना आधार बढ़ाने के लिए भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए द्वारा दक्षिण भारत को आवंटित आठ कैबिनेट विभागों के बारे में पूछे जाने पर सिद्धारमैया ने कहा, उनके प्रयासों के बावजूद, आरएसएस के प्रभाव के कारण भाजपा को दक्षिण भारत में समर्थन नहीं मिलेगा। भाजपा आरएसएस का राजनीतिक चेहरा है, लेकिन भारत का दक्षिणी हिस्सा भाजपा का समर्थन नहीं करेगा। ईडी और सीबीआई जैसी एजेंसियों का इस्तेमाल करके राजनीतिक विरोधियों को निशाना बनाने के आरोपों के बारे में सीएम सिद्धारमैया ने टिप्पणी की, इस संदर्भ में, लोगों ने उन्हें बहुमत नहीं दिया है।

बीजेपी शुरू से ही व्यक्तियों को निशाना बनाने के लिए ईडी और सीबीआई का इस्तेमाल करती रही है। कांग्रेस द्वारा कथित प्रतिशोध की राजनीति के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए, विशेष रूप से पूर्व सीएम बीएस येदियुरप्पा के खिलाफ जारी वारंट के संबंध में, सिद्धारमैया ने तर्क दिया, जब हमारे खिलाफ मामले दर्ज किए जाते हैं, तो क्या यह भी निशाना बनाना नहीं है?

महाविकास अघाड़ी महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव साथ लड़ेगी

उद्धव ठाकरे का ऐलान शरद पवार बोले- जो छोड़कर गए उन्हें वापस नहीं लेंगे

मुंबई। महाविकास अघाड़ी महाराष्ट्र में विधानसभा का चुनाव एक साथ लड़ेगी। यह ऐलान शनिवार, 15 जून को गठबंधन की बैठक के बाद शिवसेना नेता उद्धव ठाकरे ने किया। उन्होंने ने कहा- लोकसभा चुनाव की जीत एमवीए के लिए अंत नहीं, बल्कि शुरुआत है। हम सभी दलों को साथ लेकर चुनाव लड़ेंगे। मुंबई के वाईबी चव्हाण सेंटर में हुई इस बैठक में एनसीपी नेता शरद पवार, कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण शामिल हुए। इस दौरान महाराष्ट्र की जनता को लोकसभा चुनाव में 31 सीटें जिताने पर धन्यवाद दिया। दरअसल, लोकसभा चुनाव में गठबंधन ने महाराष्ट्र की 48 सीटों में से 31 सीटें जीती हैं, जबकि भाजपा गठबंधन को 17 सीटें मिली हैं। विधानसभा की 288 सीटों पर अक्टूबर में चुनाव हो सकते हैं। फिलहाल राज्य में शिवसेना शिंदे गुट, भाजपा और एनसीपी अजित पवार गुट की सरकार है और एमवीए लोकसभा चुनाव की सफलता विधानसभा चुनाव में भी दोहराना चाहती है। पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा, यह प्रेस कॉन्फ्रेंस जनता का आभार व्यक्त करने के लिए है। महाराष्ट्र की जनता ने हमें जिताया है। लोकसभा चुनाव के

बाद पहली बार महाराष्ट्र के इंडिया ब्लॉक के नेता आज मिले। हम सभी लोकतंत्र को बचाने के लिए एक साथ आए हैं। पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा, मुझे उम्मीद है कि जिस तरह से लोगों ने लोकसभा चुनाव में हमें वोट दिया, विधानसभा चुनाव में भी हमें वैसा ही प्यार मिलेगा और अब महाराष्ट्र में भी सत्ता परिवर्तन होगा। वहीं, उद्धव ठाकरे ने कहा- लोकसभा चुनाव की जीत एमवीए के लिए अंत नहीं, बल्कि शुरुआत है।

रीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर पटना में छात्रों का प्रदर्शन

पटना। नीट परीक्षा में हुई गड़बड़ी को लेकर देशभर के छात्र सड़क पर उतर आए हैं। इसी बीच बिहार की राजधानी पटना में छात्रों ने परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। छात्रों ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला दहन कर विरोध जताया। इस दौरान छात्रों ने सड़क पर आगजनी कर सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी की। वहीं, छात्र नेता सौरव कुमार ने कहा कि नीट परीक्षा कैंसिल कर फिर से परीक्षा नहीं होगी तो हमारा प्रदर्शन जारी रहेगा। उन्होंने

कहा कि यह पूरी तरह से केंद्र सरकार और राज्य सरकार का फेलियर है।बता दें कि राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) ने गुरुवार को घोषणा की है कि सभी 1,563 नीट - 2024 उम्मीदवारों की पुन: परीक्षा 23 जून 2024 को आयोजित की जाएगी। दरअसल, नीट परीक्षा में 1563 कैंडिडेट्स को ग्रेस मार्क्स दिए गए थे। गौरतलब हो कि नीट रिजल्ट से पहले 01 जून को एक छात्रा ने दिल्ली हाईकोर्ट में पेपल लीक को लेकर याचिका दायर की थी, जिस पर अगली सुनवाई 8 जुलाई को होनी है।

मध्य प्रदेश में मानसून 4 दिन लेट

नई दिल्ली। कई राज्यों में एंट्री कर चुका मानसून कमजोर हुआ है। इस वजह से मध्य प्रदेश और अन्य राज्यों में यह 4 दिन बाद यानी 18 या 19 जून को मानसून की एंट्री होगी। वहीं, राजस्थान में प्री-मानसून एक्टिविटी का असर आज दिख सकता है। इस वजह से यहां आंधी और बारिश के आसार हैं। उधर, यूपी के 73 जिलों में हीटवेव का अलर्ट है। यूपी के अलावा पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और चंडीगढ़ में 15-18 जून तक सीवियर हीटवेव का अलर्ट जारी किया गया है। मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों, हिमाचल प्रदेश और जम्मू में भी दो दिन हीटवेव की स्थितियां बन सकती हैं। भारतीय मौसम

विभाग ने पूर्वोत्तर के 7 राज्यों असम, मणिपुर, नगालैंड, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, त्रिपुरा, सिक्किम और मिजोरम में 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं और गरज के बारिश की संभावना जताई है। ऐसा मौसम 7 दिन तक रह सकता है। उत्तर प्रदेश का प्रयागराज शुक्रवार को सबसे गर्म रहा। आईएमडी के मुताबिक, यहां का तापमान 46.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, यूपी हरियाणा, दिल्ली और पूर्वी मध्य प्रदेश के कई हिस्सों में टेम्परेचर 44-46 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। गुजरात में मानसून आधिकारिक तौर पर आ चुका है। दक्षिण-पश्चिम राजस्थान में एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन सक्रिय हो गया है। इसके चलते मौसम विभाग ने अगले 6 दिनों तक राज्य के कई जिलों में बारिश की संभावना जताई है। शुक्रवार को सूरत, बनासकांठा, गांधीनगर, अहमदाबाद, नवसारी, वलसाड समेत कई जिलों में गरज के साथ बारिश हुई।

उत्तराखंड में ट्रैवलर अलकनंदा नदी में गिरी, 10 की मौत

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड के बद्रीनाथ हाईवे पर टैंपो ट्रैवलर बेकाबू होकर अलकनंदा नदी में गिर गई। हादसे में 10 पर्यटकों की मौत हो गई। जबकि 13 घायल हैं। 7 गंभीर घायलों को हेलिकॉप्टर से एयरलिफ्ट करके ऋषिकेश एम्स ले जाया गया। टैंपो ट्रैवलर में 23 यात्री सवार थे। सभी बद्रीनाथ दर्शन के लिए जा रहे थे। पर्यटक नोएडा और दिल्ली के हैं। एसपी डॉ. विशाखा अशोक भदाणे ने कहा- रुद्र प्रयाग में रैंतोली के पास एक टैंपो ट्रैवलर हाईवे से खाई में गिर गई। नदी में अभी सर्चिंग की जा रही है। स्थानीय लोग, एसडीआरएफ, फायर सर्विस, जिला आपदा प्रबंधन और जल पुलिस की टीम रेस्क्यू ऑपरेशन चला रही है। आईजी गढ़वाल करण सिंह नगन्याल ने बताया-ट्रैवलर नोएडा (यूपी) से रुद्रप्रयाग की ओर जा रही थी। यह 150-200 मीटर गहरी खाई में गिर गई। ड्राइवर बहुत गंभीर घायल है। इसलिए ज्यादा जानकारी नहीं मिल पाई है। पुलिस ने बताया कि ट्रैवलर हरियाणा नंबर की है। दिल्ली-एनसीआर में रहने वाले पर्यटकों ने इसकी बुकिंग कराई। शुक्रवार शाम को यह दिल्ली से रवाना हुए। रातभर सफर किया। मृतकों की अभी शिनाख्त नहीं हो पाई है।

फिलहाल, प्रशासन का फोकस सर्चिंग और घायलों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराने पर है। हादसा जहां हुआ वह ऑल वेदर हाईवे है। ट्रैवलर बाउंड्री तोड़ते हुए करीब 200 मीटर नीचे खाई में पलटती हुई नदी में गिरी। नदी का किनारा होने के चलते अलकनंदा के तेज बहाव में ट्रैवलर बही नहीं। घटनास्थल के नजदीक ही रेलवे प्रोजेक्ट का काम चल रहा है। 3 मजदूर लोगों को बचाने नदी में कूदे। इनमें से 2 वापस आ गए। लेकिन 1 की हादसे में मौत हो गई।

जी7 समिटमें प्रधानमंत्री और जापानी प्रधानमंत्री किशिदा ने चीन और हिंद-प्रशांत को लेकर बनाया प्लान

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जापान के प्रधानमंत्री फूमियो किशिदा से मुलाकात की और कहा कि शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए भारत तथा जापान के बीच मजबूत संबंध महत्वपूर्ण हैं। मोदी और किशिदा दोनों देशों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंध आगे बढ़ाने पर भी सहमत हुए। प्रधानमंत्री मोदी तीन दिवसीय जी-7 शिखर सम्मेलन के दूसरे दिन 'आउटरीच सेशन को संबोधित करने के लिए दक्षिणी इटली के अपुलिया के एक दिवसीय दौरे पर थे। उन्होंने 'कृत्रिम मेधा, ऊर्जा, अफ्रीका और भूमध्य सागर पर अपने संबोधन के बाद किशिदा से

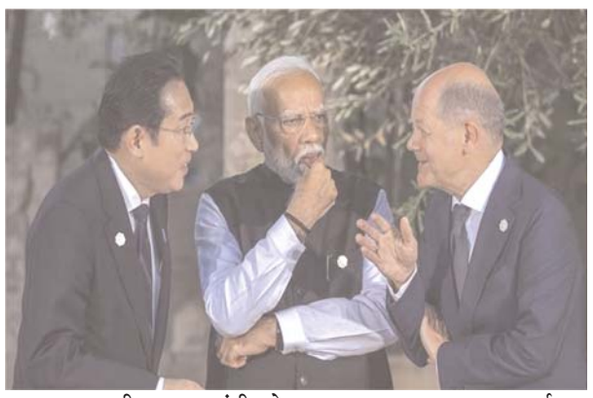

मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने किशिदा के साथ बातचीत के बाद सोशल मीडिया पर कहा, ''शांतिपूर्ण, सुरक्षित और समृद्ध हिंद-प्रशांत के लिए भारत तथा जापान के बीच मजबूत संबंध महत्वपूर्ण हैं। मोदी का यह बयान क्षेत्र में चीन के आक्रामक व्यवहार तथा अपना वर्चस्व बढ़ाने की कोशिशों के बीच आया है। उन्होंने कहा, ''हमारे देश रक्षा, प्रौद्योगिकी, सेमीकंडक्टर, स्वच्छ ऊर्जा और डिजिटल प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में मिलकर काम करने के लिए तत्पर हैं।

आरएसएस ने अफवाहों को किया खारिज, कहा- संघ और भाजपा के बीच कोई मतभेद नहीं

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने शुक्रवार को भाजपा के साथ मतभेद की अफवाहों को खारिज कर दिया। इससे पहले पार्टी प्रमुख मोहन भागवत ने लोकसभा चुनाव में भाजपा के बहुमत से चूक जाने के बाद अपने पहले बयान में कहा था कि एक सच्चा सेवक कभी अहंकारी नहीं होता। आरएसएस सूत्रों ने यह जानकारी दी। आरएसएस सूत्रों ने कहा कि संघ और उसके वैचारिक मार्गदर्शक भाजपा के बीच कोई मतभेद नहीं है, जबकि विपक्षी नेताओं सहित लोगों के एक वर्ग ने दावा किया है कि भागवत की टिप्पणी भगवा पार्टी के नेतृत्व या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर लक्षित थी। उन्होंने कहा कि ऐसी टिप्पणियां अटकलें हैं और संदर्भ से हटकर कही गई हैं। सोमवार को नागपुर

में एक कार्यक्रम में भागवत ने कहा, एक सच्चा सेवक मर्यादा बनाए रखता है। वह काम करते समय मर्यादा का पालन करता है। उसे यह अहंकार नहीं होता कि वह कहे कि मैंने यह काम किया। केवल वही व्यक्ति सच्चा सेवक कहलाता है। जवाब में आरएसएस सूत्रों ने कहा, उनके (भागवत) भाषण में 2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों के बाद दिए गए भाषण से बहुत अंतर नहीं था। किसी भी संबोधन में राष्ट्रीय चुनाव जैसी महत्वपूर्ण घटना का संदर्भ देना लाजिमी है। उन्होंने कहा, लेकिन भ्रम पैदा करने के लिए इसका गलत अर्थ निकाला गया और इसे संदर्भ से बाहर ले जाया गया। उनकी अहंकार वाली टिप्पणी कभी भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी या किसी भाजपा नेता के लिए नहीं थी। आरएसएस सूत्रों ने भी अपने राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य इंद्रेश कुमार द्वारा भाजपा के चुनाव प्रदर्शन को लेकर की गई आलोचना से खुद को अलग कर लिया। एक पदाधिकारी ने कहा कि यह उनकी निजी राय है और यह संगठन के आधिकारिक रुख को नहीं दर्शाता। गुरुवार को जयपुर के निकट एक कार्यक्रम में कुमार ने कहा, जिस पार्टी (भाजपा) ने (भगवान राम की) भक्ति की, लेकिन अहंकारी हो गई, उसे 241 पर रोक दिया गया, लेकिन वह सबसे बड़ी पार्टी बन गई।

प्रतिबंध बेअसर -

सार्वजनिक स्थालों पर छलक रहें जाम, महिलायें आए दिन हो रहीं छींटाकशी का शिकार

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। राज्य सरकार द्वारा पूर्व में सार्वजनिक स्थलों पर खुले में शराब पीना पूरी तरह से प्रतिबंधित किया गया है। साथ ही धार्मिक स्थल, मंदिर एवं स्कूल के समीप इसकी विक्री करने वालों पर एफआईआर दर्ज करने के आदेश भी दिये गये थें। उक्त आदेश का जिले में पालन होता नही दिख रहा है। शराब की दुकानो के बाहर एवं सार्वजनिक स्थलों पर डंके की चोंट पर शराबी आए दिन जाम छलकाते नजर आते हैं, इसके साथ ही मदिरा के नशे में महिलाओं से छींटाकशी भी करते नजर आते हैं। कई बार शिकायत के बाद भी पुलिस पूरे घटनाक्रम से अनजान बनी हुई है।

बात अगर नियम की करें तो सार्वजनिक स्थान पर शराब पीते पाए जाने पर मुकदमा दर्ज करने का प्रावधान निहित है। इसके बाद भी मयकश शराब खरीदकर सार्वजनिक स्थलों पर ही शराब पी रहे हैं। खासतौर पर सोनांचल बस स्टैंड, सम्राट चौक के इर्द गिर्द, नवीन बस स्टैंड, शासकीय शराब की दुकानो के बाहर, सूखा नाले के समीप बने नवीन मार्ग, गोपालदास बांध सहित अन्य प्रमुख स्थलो पर इन दिनो शराबियों का आतंक है। महिलायें हमेशा अपने आप को भयभीत महसूस कर रही हैं। जिसकी मुख्य वजह यह है कि विधिक कार्रवाई के अभाव में शराबियों के हौंसले दिनो दिन बढ़ते जा रहे हैं। वहीं अभिभावकों की माने तो नशेड़ियो के द्वारा की जाने वाली छींटाकशी के चलते ट्युशन जाने वाली छात्रायें तो अब अकेले घर से निकलने में भी भय महसूस कर रही हैं। जिला मुख्यालय में तो शराब के शौकीन लोग शराब खरीदने के बाद ठेके से चंद कदमों की दूरी पर सार्वजनिक स्थल पर ही शराब पीना शुरू कर देते है। ऐसा कोई एक स्थान पर नहीं बल्कि अधिकांश ठेकों के पास होता है। सार्वजनिक स्थल पर शराब पीने का चलन दिनो दिन बढ़ता जा रहा है। नगर में कहीं भी खाली प्लाट तथा मार्केट में युवकों की चौकड़ी दिखाई देना आम बात हो चली है। ऐसा तब हो रहा है जबकि पुलिस भी लगातार सक्रिय रहती है।

आईजी रीवा का आश्वासन भी बेअसर -

विगत माह सीधी भ्रमण के दौरान डॉ.महेन्द्र सिंह सिकरवार पुलिस महानिरीक्षक रीवा जोन रीवा सीधी के पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुॅचे थें। जहॉ पत्रकारों द्वारा किये गये एक सवाल के जबाब में सिंह ने भरोशा दिलाया था कि नियमों का उल्लंघन करने वाले आरोपियों के विरूद्ध त्वरित रूप से विधिक कार्रवाई की जायेगी। जिसका जिले वासियों ने भी स्वागत किया था किन्तु आज दिनांक तक सीधी पुलिस द्वारा मुहिम के तहत खुले में जाम छलकाने वालों के विरूद्ध कार्रवाई की हिम्मत नही जुटा पाई है।

बारिश का पानी जमीन के अंदर जाने से रोकती है प्लास्टिक: डॉ अनूप मिश्रा

गोपालदास बांध में चला स्वच्छता अभियान

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। शनिवार की सुबह स्थानीय गोपालदास बांध में स्वच्छता अभियान चलाया गया। शहर के प्रतिष्ठित समाजसेवी डॉ अनूप मिश्रा अपने सहयोगियों के साथ बांध में उतरे, और पाट में मौजूद गीला कचरा, सूखा कचरा एवं अमानक पैमाने से बनी पॉलीथीन को हटाया। इस दौरान नगर के आधा सैकड़ा से ज्यादा लोग मौजूद रहें। कुछ ही घंटो की मेहनत रंग लाई और साफ स्वच्छ दृश्य निर्मित कर दियें। चलाये जा रहे स्वच्छता अभियान के दौरान डॉ अनूप ने कहा कि बारिश का पानी जमीन के अंदर जाने से प्लास्टिक की पन्नी रोकती है, जिससे जल का स्त्रोत नही बढ़ पा रहा है। कार्यक्रम समापन अवसर पर डॉ अनूप ने सभी को संकल्प दिलाया कि हम सब जल जंगल जमीन के संरक्षण के लिए तत्पर हैं और ग्रीन सीधी क्लीन सीधी के अभियान से सीधी का कायाकल्प करेगें।

इन्होने स्वच्छता अभियान को दी गतिः ग्रीन सीधी क्लीन सीधी के अभियान में आर.जे.पटेल, नीरज कुन्देर, राकेश जायसवाल, अतुल भारती, विकाश भारती, अभिषेक भारती, मनोज मिश्रा, राजेंद्र जायसवाल, अजीत सिंह लल्ला, डॉ मनोज सिंह, डॉ विशाल वाधवानी, गंगा गुप्ता, भूरा तिवारी, संजय सोनी, महेंद्र सिंह, सुनील कुशवाहा, नीरज पाण्डे, अशोक शुक्ला, देवेंद्र मिश्रा, आशुतोष मिश्रा एडवोकेट, प्रयास उपाधाय, धीरज कुमार सोनी, वीरेंद्र गुप्ता, पप्पू गुप्ता, संजीव कुमार वर्मा, पंकज दुबेदी, सौरव सिंह, पुनीत नारायण शुक्ला, धनेश गुप्ता, रंजीत कुमार गुप्ता, अजीत कुमार रजक, संजू तिवारी, अरुण सिंह पिंटू, राम नरेश सिंह, योगेंद्र प्रसाद तिवारी, अमित पाण्डे, दीपक सिंह वैश्य, रजनीश कुमार जायसवाल एवं बाबूलाल कुन्देर ने श्रमदान किया।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत नगरीय निकायों में जल संरक्षण एवं संवर्धन के कार्य जारी

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के निर्देशानुसार पूरे प्रदेश के साथ-साथ सीधी जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देशन तथा अपर कलेक्टर राजेश शाही के मार्गदर्शन में 15 जून 2024 को भी सीधी जिले के नगरीय क्षेत्रों में संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत पुराने तालाब, कुओं, बाबड़ियों, के सरंक्षण का कार्य निरंतर कराया गया।

नगर पालिका परिषद सीधी के मूडी तालाब की सफाई का कार्य जनप्रतिनिधियों तथा सामाजिक संगठनों के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम में पार्षद रजनीश श्रीवस्तव, वार्ड के नागरिकगण, जन अभियान परिषद के रश्मि दिव्यांग सेवा समिति के सदस्य उपस्थित रहे। नगर परिषद रामपुर नैकिन के मुर्तला तालाब की सफाई का कार्य जनप्रतिनिधियों के सहयोग से किया गया।

श्रमदान कार्यक्रम में नगर परिषद के अध्यक्ष राम कुमार साहू, पार्षद नरेंद्र सिंह, गणमान्य नागरिकों तथा निकाय के अधिकारी कर्मचारियों द्वारा सहभागिता की गई। नगर परिषद मझौली में अमृत 2.0 योजना के तथा 39.09 लाख रुपये की लागत से पुरनिहा तालाब के जीर्णोद्धार का कार्य अनवरत चल रहा है। नगर परिषद चुरहट के वार्ड क्रमांक 15 में पुराने कुएं का मरम्मत तथा सुरक्षा के दिष्टिगत लोहे की जाली लगाने का कार्य किया गया।

सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों का अभियान चलाकर निराकरण करें: संयुक्त कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के निराकरण की समीक्षा कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देशानुसार संयुक्त कलेक्टर नीलेश शर्मा द्वारा की गई। उन्होंने माह मई में प्राप्त शिकायतों को 20 जून के पूर्व संतुष्टि के साथ निराकृत करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने एल 1 और एल 2 अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वह अपने विभाग से संबंधित शिकायतों की नियमित समीक्षा करेंगे तथा शिकायतों की संख्या के आधार पर प्रतिदिन शिकायतों के निराकरण का लक्ष्य निर्धारित करते हुए उनका गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित कराएंगे।

जन दर्शन कार्यक्रम में सांसद ने सैकड़ो की सुनी समस्यायें, दिया निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ राजेश मिश्रा ने शनिवार को जन दर्शन कार्यक्रम के दौरान प्रातः 9 बजे से 1 बजे तक सांसद कार्यालय स्थानीय वैष्णवी गार्डन के सभागार में सैकड़ो आम जनों एवं पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं से मिलकर क्षेत्र के विकास एवं क्षेत्र की समस्याओं को लेकर चर्चा की। सांसद जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि दूर दराज से आई हुई जनता जनार्दन ने अपनी समस्याओं को लेकर लिखित आवेदन भी दिया। सभी आवेदनों को सांसद डॉक्टर राजेश मिश्रा ने स्वीकार करते हुए संबंधित विभागाध्यक्षो को त्वरित निराकरण हेतु लेटर लिखे और कुछ पत्र पत्रों के संदर्भ में दूरभाष पर चर्चा कर समस्याओं का निराकरण किया। क्षेत्र से आने वाली प्रमुख समस्याओं में विद्युत, जल, शिक्षा विषयों पर प्रमुख रूप से रही। सांसद डॉक्टर राजेश मिश्रा ने सभी को मुस्कुराते हुए गले से लगाए और उनका अभिनंदन किया। लोकसभा सांसद डॉ राजेश मिश्रा ने इस दौरान कहा कि मेरा पल प्रतिपल क्षेत्र के विकास और जनता जनार्दन के कल्याण के लिए समर्पित है। इस अवसर पर प्रमुख रूप से जनपद अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह परिहार, डॉ राजकरण शुक्ला राज, जिला मीडिया प्रभारी सुरेंद्र मणि दुबे, धर्मेंद्र शुक्ला, चंद्रशेखर शुक्ला, अजीत सिंह चंदेल, जितेंद्र तिवारी, दिनेश गुप्ता सहित सैकड़ो आमजन एवं पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

आजीविका मिशन से जुड़कर संध्या ने लिखी सफलता की इबारत

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। सीधी जिले के ग्राम मड़वास के रहने वाली संध्या शुक्ला ने कभी नहीं सोचा था कि उनके भी जीवन में परिवर्तन आएगा। पढ़ी-लिखी महिला होने के बाद भी उनका पूरा समय घर के घरेलू कार्य में बीत जाता था। आजीविका मिशन की टीम के समझाइस देने के बाद उन्होंने ठाकुर स्व सहायता समूह का गठन किया। स्वसहायता समूह के गठन के बाद धीरे-धीरे बचत करने लगी जिससे उनके पास बचत के भी पैसे समूह में 04 हजार रुपए जमा हुए, 3 महीने बाद चक्रीय कोष की राशि 20 हजार रुपए प्राप्त हुई, 6 महीना बाद स्व सहायता समूह का 02 लाख रुपए का सीसी लिमिट कराया गया और 02 लाख में 50 हजार रुपए लेकर संध्या ने जनरल सामग्री के साथ-साथ लैपटॉप एवं बीसी पॉइंट खोल लिया जिसके माध्यम से वह पैसे का लेनदेन भी करने लगी। गांव बाजार के पास होने के कारण लोगों का आना-जाना मड़वास में लगा रहता है। आसपास के पंचायत के लोग आते हैं यहां से आधार के माध्यम से पैसा निकालते हैं। इसके साथ-साथ किराना एवं अन्य सामग्री रखने से संध्या को डबल फायदा हो रहा है। आज संध्या की मासिक आमदनी 12 हजार से 15 हजार रुपये है जिससे परिवार का भरण पोषण अच्छी तरीके से चल रहा है।

7 करोड़ की राशि स्वीकृत, स्वास्थ्य सुविधाओं का होगा कायाकल्प: विधायक

आउटडोर में सुबह 9 बजे से दोपहर 2 एवं शाम 5 से 6 बजे तक बैठने लगे चिकित्सक

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। जिला अस्पताल में स्वास्थ्य सुविधाओं का जल्द कायाकल्प होने के वाला है। इसके लिए सीधी विधायक रीती पाठक की पहल पर 7 करोड़ रुपए का बजट भी जल्द ही मिलने वाला है। उक्त बजट से जिला अस्पताल में गंभीर मरीजों के उपचार के लिए कई आधुनिक जीवनरक्षक मशीनें भी लगेंगी। जिला अस्पताल में एडवांश लाइफ सपोर्ट सिस्टम, एबूलेंश और 2 शव वाहन मेंटीनेंश एवं पीओएल हेतु कार्य होगा। नवनिर्मित मेटरनिटी विंग हेतु आवश्यक उपकरण एवं हास्पिटल फर्नीचर हेतु राशि मिलेगी।

जिला अस्पताल में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट की स्थापना होगी। वहीं नवनिर्मित मेटरनिटी विंग हेतु सभी वार्डों में सेंट्रल ऑक्सीजन पाईप लाईन का कार्य होगा। 450 बिस्तरीय जिला अस्पताल में नव इनसीनेटर की व्यवस्था की जावेगी। पुराने जिला अस्पताल हेतु आवश्यक स्वास्थ्य उपकरणों की व्यवस्था भी होगी। नवनिर्मित मेटरनिटी विंग हेतु एसएनसीयू एचडीयूपी आईसीयू के कार्य हेतु आवश्यक बजट उपलब्ध होगा। सीधी विधायक रीती पाठक का

जिस तरह से स्वास्थ्य एक सपना रहा आज वह सपना साकार रूप ले रहा है। क्यूंकि सीधी विधायक ने जिला चिकित्सालय में हाल ही में जिस तरीके से चिकित्सा व्यवस्था हेतु सात करोड़ का बजट दिलाया है इससे यह स्पष्ट होता है की जहां एक तरफ जिला चिकित्सालय का काया कल्प होगा वही दूसरी तरफ चिकित्सा व्यवस्था दुरुस्त होगा। जिला चिकित्सालय के निगरानी हेतु सीधी विधायक ने एक टीम गठित कराया है जो हॉस्पिटल के चिकित्सा व्यवस्था का तरीके से ध्यान रखेगा और ग्रामीण जनों के चिकित्सा व्यवस्था में हो रहे समस्याओं का भी ध्यान रखेगा। इस टीम के गठन में प्रशासन का भी सहयोग प्राप्त हो रहा है। सीधी विधायक ने जिस तरीके से चिकित्सा व्यवस्था पर ध्यान आकृष्ट किया है इससे वर्तमान में नवाचार और व्यवस्था का सुदृढ़ीकरण देखने को मिल रहा है चिकित्सा व्यवस्था में जो कमी देखने को मिल रहा था उसका भी ध्यान रखा गया है।

आउटडोर में बैठने लगे डॉक्टर्सः जिला अस्पताल सीधी में आने वाले मरीजों को उपचार सुविधाओं के लिए भटकना न पड़े इसके लिए सीधी विधायक रीती पाठक द्वारा निगरानी समिति गठित कर दी गई है। यह समिति प्रति दिन जिला अस्पताल में पहुंचकर यह देखने लगी है कि आउटडोर में कितने डॉक्टर समय पर बैठ रहे हैं और मरीजों का परीक्षण कर रहे हैं। सीधी विधायक की ओर से निगरानी समिति के माध्यम से अस्पताल में व्यवस्था बनाने के बाद से अब मरीजों को उपचार सुविधाएं पाने के लिए जो भटकाव बना हुआ था वह कम होता दिख रहा है। जानकारों का कहना है कि यदि इसी तरह से डॉक्टरों पर शिकंजा कसा रहेगा तो वह आउटडोर में बैठकर सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक और शाम 5 बजे से 6 बजे तक मरीजों को देखना सुनिश्चित करेंगे। मरीजों के समक्ष सबसे बड़ी परेशानी यही बनी हुई थी कि यहां आने के बाद मालूम पड़ता था कि अधिकांश डॉक्टर आउटडोर में नहीं बैठते। इस वजह से मरीजों को उपचार करानें के लिए उनके बंगले में जाने की मजबूरी बनी हुई थी।

मरीजों को बेहतर उपचार सुविधाएं मिलेंगी - रीतीः सीधी विधायक रीती पाठक का कहना है कि जिला अस्पताल में मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलें, इसके लिए वह सतत प्रयास कर रही हैं। 7 करोड़ के बजट से यहां कई बड़ी स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी। जिला अस्पताल की स्वास्थ्य व्यवस्थाएं बेहतर होने से सबसे ज्यादा लाभ गरीब एवं मध्यम वर्गीय परिवार के लोगों को मिलेगा। पाठक ने आगे कहा कि समग्र रूप से किये जा रहे प्रयासो से जिला अस्पताल में व्याप्त अन्य कमियों को भी जल्द ही दूर किया जाएगा। यहां डॉक्टरों के स्वीकृत पदों पर भी पदस्थापना कराने का भी प्रयास जारी है। जिससे मरीजों को जिला अस्पताल में ही बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं बिना किसी भटकाव के मिले।

आस्था का केंद्र बना पचपहरा गांव, पंचमुखी भैरवनाथ को देखने उमड़ रही भीड़

मीडिया ऑडीटर, रीवा निप्र। जिले के मनगवां तहसील अंतर्गत ग्राम पचपहरा में पंचमुखी भैरवनाथ बाबा की प्राचीन मूर्ति है। जिसके दर्शन के लिए लोगों की प्रतिदिन भीड़ उमड़ रही है। मंदिर का जीर्णोद्धार भी कराया जा रहा है।

मंदिर के पुजारी ओमप्रकाश गौतम ने बताया कि पंचमुखी भैरवनाथ बाबा भारत में कहीं अन्यत्र नहीं है। पचपहरा में पंचमुखी भैरवनाथ बाबा की प्राचीन मूर्ति देखने को मिला है यह बड़े सौभाग्य की बात है। अभी तक हमने ऐसी मूर्ति कहीं नहीं देखी है।

उन्होंने कहा कि इस गांव के लिए बड़ी सौभाग्य की बात है कि यहां पर पंचमुखी भैरवनाथ बाबा का मंदिर है। जिसके निर्माण कार्य के लिए नवल किशोर तिवारी ने 21000 रुपये की सहायता राशि प्रदान की है। उन्होंने बताया कि मैं हर जगह दर्शन किया पर अभी तक पंचमुखी भैरवनाथ का दर्शन भैरवनाथ पचपहरा में ही हमें प्राप्त हुआ। वहीं रवि मिश्रा के मार्गदर्शन युवा साथियों के सहयोग से मंदिर के जीर्णोद्धार कराया जा रहा है।

तालाब में श्रमदान कर साफ-सफाई व जल संरक्षण का दिया संदेश

मीडिया ऑडीटर, रीवा निप्र। नमामि गंगे जल गंगा संवर्धन के कार्यक्रम में ग्राम पंचायत देवरिहनगांव रामपुर सर्किल में आयोजित कार्यक्रम में मंचासीन विधायक मनगवां इन्जीनियर नरेन्द्र प्रजापति ने कहा कि वृक्षारोपण करना एवं जल का संरक्षण ही वर्तमान समय में मनुष्यता की पहचान है। नदी, तालाब, बावड़ी, कुओं के पानी का संरक्षण एवं वृक्षारोपण द्वारा ही प्रकृति, जो कि ईश्वर है, की वंदना एवं पूजन अर्चना करनी चाहिए। वृक्ष हमारी धरती माता के गहने हैं और इसे हमें सदैव श्रृंगारयुक्त रखना चाहिए ताकि उचित समय पर पर्याप्त वर्षा एवं समुचित रुप से शरद एवं ग्रीष्म ऋतु का समायोजन हो सके और प्राकृतिक संतुलन बना रहे जिससे मनुष्य, मवेशी, पक्षी, जानवर सहित सभी जीव जंतुओं में सामंजस्य बना रहे। यही वर्तमान समय की मांग है, इसी संदेश को जन जन तक पहुंचाने के लिए एवं जन जागरुकता के उद्देश्य से भाजपा सरकार के मुखिया सम्मानीय डाक्टर मोहन यादव जी द्वारा नमामि गंगे जल गंगा संवर्धन के आयोजन प्रदेश की प्रत्येक पंचायतों में किये जा रहे हैं। इस आयोजन में दीप प्रज्वलन एवं पूजा अर्चना के पश्चात सभी पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों सहित एकत्रित समूह द्वारा तालाब में श्रमदान कर साफ-सफाई का संदेश दिया। इस दौरान नईगढ़ी के एपीओ अनीश पांडेय, जनपद सदस्य, पूर्व जनपद उपाध्यक्ष नृपेन्द्र सिंह, सरपंच संतोष पटेल, पटवारी संतोष कुमार चौधरी, आंगनबाड़ी की कार्यकर्ता सहित देवरिहनगांव के सभी नागरिकों ने इस आयोजन में उपस्थिति दर्ज की। इस दौरान विधायक मनगवाँ ने जनसंवाद के माध्यम से उपस्थित सभी लोगों की समस्याओं को संज्ञान में लेते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को कार्यक्रम स्थल से ही निराकरण हेतु निर्देशित किया।

शांति समिति की बैठक आयोजित

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने की अपील- शांति तथा सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाए त्यौहार

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद्र श्रीवास्तव तथा उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास नीलेश शर्मा की उपस्थिति में 17 जून 2024 को ईदुज्जुहा के त्यौहार के संबंध में शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक द्वारा शांति समिति के सदस्यों के माध्यम से जिले वासियों से ईदुज्जुहा त्यौहार शांति तथा सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाए जाने की अपील की गई है।

उन्होंने सभी संबंधित विभागीय अधिकारियों को त्यौहार के दृष्टिगत आवश्यक

व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। मुख्य नगर पालिका अधिकारी सीधी को ईदगाह के आस-पास रोड, नाली की सफाई तथा रोड के किनारे लगे ठेला हटाने संबंधी कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया है। इसके साथ ही छाया, वाहन पार्किंग एवं पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। ईदुज्जुहा त्यौहार पर बलि का अवशेष नाली में नहीं फेंका जाए इसके लिए नगर पालिका की गाड़ी सभी वार्डों में घुमाने के निर्देश दिए गए है। विद्युत प्रवाह निरंतर बनाए रखने के लिए कार्यपालन यंत्री विद्युत मण्डल सीधी को निर्देशित किया गया है।

बैठक में ईदुज्जुहा का त्यौहार शांतिपूर्ण ढंग से मानने के लिए जिला स्तर से मजिस्ट्रेटों की ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए गए है। इसके साथ ही सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक पुलिस बल यथा स्थान तैनात करने के निर्देश दिए गए है। सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार की भ्रामक खबरों का प्रचार प्रसार ना करें, खबर पोस्ट करने से पहले प्रशासनिक अधिकारियों से चर्चा कर ले। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तथा उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास ने सभी को ईदुज्जुहा त्यौहार की बधाई दी। साथ ही आपसी भाईचारे के साथ त्यौहार मनाने की अपील की।

बैठक में उप पुलिस अधीक्षक गायत्री तिवारी, सीएमएचओ डॉ आई जे गुप्ता, तहसीलदार जान्हवी शुक्ला, नायब तहसीलदार एकता शुक्ला, टीआई कोतवाली अभिषेक उपाध्याय सहित संबंधित विभागीय अधिकारी एवं शांति समिति के सदस्य उदय कमल मिश्रा, डॉ रंजना शुक्ला, रनसेर अली खान, मोहसिन रजा, मोनशेर अली खान उपस्थित रहे।

विचार

लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका अहम होती है

आम चुनावों के नतीजों ने मुझे उस सवाल का जवाब दे दिया है जो अब परेशान कर रहा है। भारतीय चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, 642 मिलियन भारतीयों ने 2024 के आम चुनावों में मतदान किया। इनमें से 36.6 फीसदी यानी करीब 23.5 करोड़ लोगों ने भारतीय जनता पार्टी को वोट दिया, जो 10 साल से केंद्र में सरकार चला रही है। भारत के लगभग 400 समाचार चैनलों में से किसी को चालू करें तो ऐसा लगेगा मानो ये 235 मिलियन लोग ही समाचारों के एकमात्र दर्शक हैं। यह मानते हुए कि वे सभी टैलीविजन देखते हैं, सत्ताधारी पार्टी के मतदाता 900 मिलियन के करीब के स्थानीय टी.वी. दर्शकों के एक तिहाई से भी कम हैं। यदि आप कुछ बड़े राष्ट्रीय समाचार पत्रों, विशेषकर अंग्रेजी और हिंदी के अखबारों को पलटें, तो ऐसा लगेगा कि इन 235 मिलियन भारतीयों की पसंद, नापसंद और राय सर्वोपरि है। पिछले भारतीय पाठक सर्वेक्षण के अनुसार, यह संख्या अखबार पढने वाले 421 मिलियन लोगों में से आधे से कुछ अधिक है। ध्यान दें कि बहुत से लोग टी.वी. देखना या पढना दोनों ही कर रहे होंगे। इसलिए, इन संख्याओं का महत्वपूर्ण दोहराव है। यदि आप 2014 और 2019 के लिए मतदाताओं की संख्या, मीडिया पहुंच आदि पर नजर डालें, तो पूर्ण आंकड़े अलग-अलग हैं। लेकिन समाचार मीडिया द्वारा केवल उपभोक्ताओं के एक समूह को ही सेवा प्रदान करने की प्रवृत्ति निरंतर बनी हुई है। जिस बात ने मुझे हैरान कर दिया है वह यह है कि अन्य पार्टियों को वोट देने वाले 407 मिलियन लोगों को लगभग एक दशक से पूरी तरह से नजरअंदाज क्यों किया जा रहा है। और अगर आप विचार करें देश की पूरी आबादी यहां तक कि 14 साल से कम उम्र के बच्चों को नजरअंदाज करने के बाद भी न्यूज चैनलों का संकीर्ण दृष्टिकोण और भी विचित्र दिखाई देता है। इससे सूचना का एक बड़ा अंतर पैदा हो गया है। मतदाता या गैर-मतदाता के रूप में हमारे आस-पास क्या हो रहा है, किस स्कूल या कॉलेज में जाना है, स्वास्थ्य पर, नागरिक, राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर हमारी राय इस बात से प्रभावित होती है कि हमारे पास कितनी जानकारी है और मुख्यधारा मीडिया अपनी अभूतपूर्व पहुंच के साथ, इस जानकारी का सबसे बड़ा स्रोत है। तथापि, अब लगभग एक दशक से, हमने भारत जैसे विविधतापूर्ण देश की अनेक कहानियों में से केवल एक ही कहानी सुनी है। ऐसी बहुत कम कहानियां कभी देखी या सुनी जाती हैं जो मुख्यधारा मीडिया द्वारा बताई गई कहानियों से विरोधाभास रखती हों, जैसे कि ग्रामीण संकट या भारत की नौकरियों के संकट के बारे में। जब लोकप्रिय आख्यान का विरोध करने वाली कहानियां सामने आती हैं, तो लोग अक्सर आश्चर्यचकित हो जाते हैं या अविश्वास में पड़ जाते हैं। अब कई वर्षों से, पूरा देश समाचार उपभोक्ताओं के एक समूह के पुष्टीकरण पूर्वाग्रह के अधीन रहा है, जिससे एक सूचना शून्य पैदा हो रहा है जो लगातार बढ़ रहा है। लेकिन प्रकृति शून्यता से घृणा करती है। आश्चर्यजनक रूप से नहीं कई लोग, ब्रांड और प्लेटफॉर्म के ऑनलाइन अंतर को भरने के लिए आगे आए जहां प्रवेश बाधाएं टी.वी. या प्रिंट जितनी ऊंची नहीं हैं। 2016 में डाटा की कीमतें गिरने के बाद इसमें तेजी आई और गिरावट जारी रही जिससे ऑनलाइन सभी चीजों की खपत में तेजी से वृद्धि हुई। कॉमस्कोर के अनुसार, जनवरी 2024 में 523 मिलियन से अधिक भारतीयों ने वीडियो देखने, पढने, मनोरंजन या समाचार ऑनलाइन देखने के लिए हाई-स्पीड बैंडविड्थ का उपयोग किया। यहां एक जनसांख्यिकीय का वर्चस्व गायब है। जबकि बड़े अखबारों और समाचार नैटवर्कों की ऑनलाइन शाखाएं वही काम करती हैं जो वे ऑफलाइन करते हैं। अंतर्राष्ट्रीय वैबसाइटें, यू-ट्यूब चैनल, लघु वीडियो एप्स और व्यक्ति, विभिन्न प्रकार की राय और जानकारी प्रदान करते हैं। अधिकांश की पहुंच छोटी है जो 5 से लेकर 25 मिलियन प्रशंसकों तक है और ऐसा लगता है कि उन्होंने कुछ हद तक यह कमी पूरी कर दी है।

सबसे बड़ा और सीधा सवाल यह है कि आखिर पप्पू पास कैसे हो गया?

नीरज कुमार दुबे

लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद खुशियां मना रही कांग्रेस पर तंज कसते हुए भाजपा ने पूछा था कि लगातार तीसरी बार सत्ता से दूर रही कांग्रेस आखिर किस बात का उत्सव मना रही है? देखा जाये तो भाजपा का सवाल वाजिब था क्योंकि तीन चुनावों से कांग्रेस तीन अंकों में सीटें हासिल नहीं कर पा रही है फिर भी उत्सव ऐसे मना रही है जैसे उसका कोई बड़ा मिशन पूरा हो गया हो। आप 2014 से 2024 तक के तीन लोकसभा चुनाव परिणामों का विश्लेषण करेंगे तो पाएंगे कि इस बार कांग्रेस को वाकई जश्न मनाना ही चाहिए क्योंकि सत्ता से दूर रह जाने के बावजूद यह भी सही है कि कांग्रेस को इस बार बड़ी जीत मिली है। दरअसल कांग्रेस ने लगातार हार से उपजी निराशा पर जीत हासिल कर ली है। पिछले दस सालों से कांग्रेस मुक्त भारत अभियान जिस तेजी से चला था उससे ऐसा लग रहा था कि देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी शायद जल्द ही लुप्तप्राय हो जाये लेकिन कांग्रेस की शानदार वापसी ने उसके समर्थकों और कार्यकर्ताओं को जोश से भर दिया है।

इसके अलावा भाजपा ने राहुल गांधी को पप्पू करार देकर उन्हें पूरी तरह से विफल घोषित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। लेकिन राहुल गांधी ने पूरे चुनाव प्रचार अभियान के दौरान पार्टी का नेतृत्व करते हुए अपनी रणनीति से भाजपा को कई जगह उसके गढ़ों में ऐसी मात दी है जोकि भगवा खेमे को हमेशा सालती रहेगी। भारतीय राजनीतिक इतिहास को देखेंगे तो पाएंगे कि विपक्षी नेता के रूप में राहुल गांधी ने बहुत कुछ सहा है। उनकी छवि पप्पू यानि कम बुद्धि वाले नेता की बना दी गयी थी। यही नहीं, उनकी राष्ट्रभक्ति पर भी सवाल उठाये गये। लोकसभा चुनावों से पहले उनके विदेशी दौरों को सवालों के घेरे में लाते हुए उन पर आरोप लगाये गये कि वह विदेशों में अपने संबोधनों के जरिये देश की छवि खराब कर रहे हैं। चुनावों के दौरान राहुल गांधी के तमाम पुराने वीडियो के अंश निकाल कर उनकी समझ पर सवाल उठाये जा रहे थे। राहुल गांधी बाइक मैकेनिक से मिलें तो सवाल, राहुल गांधी बढ़ई से मिलें तो सवाल, राहुल गांधी ट्रक ड्राइवरों से मिलें तो सवाल, राहुल गांधी छात्रों से मिलें तो सवाल। ऐसा माहौल बना दिया गया था कि राहुल गांधी हर धंधे में हाथ आजमाना चाहते हैं क्योंकि वह राजनीति में सफल नहीं हो पाये। लेकिन लोकसभा चुनाव परिणामों ने साबित कर दिया कि राहुल गांधी राजनीति में सफल और स्थापित, दोनों हो गये हैं। राहुल गांधी की इस सफलता को सोशल मीडिया पर पप्पू पास हो गया% की संज्ञा दी जा रही है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यही है कि पप्पू पास कैसे हो गया? यदि आप राहुल गांधी की पिछले एक-डेढ़ साल की राजनीतिक गतिविधियों का विश्लेषण करेंगे तो पाएंगे कि उन्होंने परीक्षा करीब आने पर ही पढ़ने जैसी आदत छोड़कर साल के शुरू से ही परीक्षा की तैयारी में जुटने वाले छात्र का आचरण अपना लिया है।कांग्रेस ने अगर अपनी लोकसभा सीटों की संख्या में लगभग 50 का इजाफा किया है तो इसमें राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा और %भारत जोड़ो न्याय यात्रा% का भी अहम योगदान है। इन दोनों यात्राओं के जरिये राहुल गांधी ने जब देश के विभिन्न कोनों की समस्याओं को करीब से समझा और जनता से सीधी मुलाकात कर उनके मन की बात जानी तो इससे उनमें खुद भी बड़ा परिवर्तन आया और जनता के बीच उनकी छवि में भी सुधार हुआ। राहुल गांधी जब अपनी यात्राओं के दौरान पैदल चलते हुए आम लोगों से बात करते थे तब लोगों को समझ आया कि राहुल गांधी कम बुद्धि वाले नेता नहीं हैं जैसा कि आमतौर पर उन्हें दर्शाया जाता है। इसके अलावा, राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा से अब तक की उनकी तमाम तस्वीरों को देख लीजिये उनमें सिर्फ उनकी विदेश यात्रा को छोड़ दें तो बाकी तस्वीरों में आपको यही लगेगा कि वह अपनी लुक पर ध्यान देने की बजाय साधारण तरीके से रहने में विश्वास करने लगे हैं और आम जन के बीच उन्हीं की तरह रहना और दिखना चाहते हैं।

आप अगर राजनीतिक इतिहास उठा कर देखेंगे तो पाएंगे कि जनता के बीच साधारण तरीके से रहने वाले नेता बहुत लोकप्रिय होते हैं। राहुल गांधी जिस तरह टी-शर्ट और पैंट में ही रहते हैं और चाहे सर्दी हो या गर्मी, उनका लुक एक जैसा ही रहता है उसका बड़ा असर मतदाताओं पर पड़ा है। आपने चुनावों के दौरान अक्सर देखा होगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राहुल गांधी को शहजादा बताते हुए उन पर हमले करते हैं लेकिन राहुल गांधी पिछले लगभग एक-डेढ़ साल से जिस साधारण तरीके से रह रहे हैं उसके चलते इस बार के चुनावों में %शहजादा% शब्द ने उन्हें नुकसान नहीं पहुँचाया। 2014 से पहले नरेंद्र मोदी की छवि साधारण नेता की और राहुल गांधी की छवि युवराज की थी लेकिन अब मोदी के सूट-बूट पर सवाल उठाते हुए कांग्रेस ने उनकी छवि अमीर और उद्योगपतियों के समर्थक की और राहुल गांधी की छवि %जननायक% की बना दी है। लेकिन यह सब इतना आसान नहीं रहा। राहुल गांधी को %पप्पू% वाली छवि से बाहर निकालने के लिए विशेषज्ञों की एक टीम ने दिन-रात काम किया और आखिरकार उन्हें सफलता मिल गयी। बताया जाता है कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा और भारत जोड़ो न्याय यात्रा के प्रचार का काम कांग्रेस ने मार्केटिंग और कम्युनिकेशन फर्म तीन बंदर को दिया था। राहुल गांधी की यह दोनों यात्राएं प्रचार की दृष्टि से तो काफी सफल रहीं ही साथ ही उनकी छवि भी एक गंभीर राजनेता की बनाने में मददगार साबित हुईं। इसी मार्केटिंग फर्म ने कांग्रेस के प्रचार अभियान को धार देते हुए चुनावों के दौरान ऐसे-ऐसे स्लोगन बनाये जोकि लोगों की जुबान पर चढ़ गये। साथ ही कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कुछ उद्योगपतियों के करीब होने की बात कहते हुए ऐसा प्रचार अभियान चलाया कि लोगों को लगने लगा कि एक दो उद्योगपतियों को ही देश के सारे संसाधन सौंपे जा रहे हैं। प्रधानमंत्री की उद्योगपतियों के साथ पुरानी तस्वीरों को ऐसे वायरल कराया गया कि छोटे शहरों और गांवों में लोगों को लगने लगा कि मोदी सरकार सिर्फ उद्योगपतियों के लिए काम कर रही है। जिस समय प्रधानमंत्री की उद्योगपतियों की या सूट बूट में तस्वीर पोस्ट की जाती थी उसके कुछ ही देर बाद किसी गरीब को गले लगाये या माथे पर चंदन लगा कर ध्यान लगाते हुए राहुल गांधी की तस्वीर पोस्ट की जाती थी। यानि जिस तरह मोदी ने अपनी ब्रैंड इमेज बनाई ठीक उसी तरह राहुल गांधी ने भी अपनी ब्रांड इमेज बनाई। इसके अलावा, जिस समय पूरा देश अयोध्या में राम मंदिर बनने की खुशी में उत्सव मना रहा था और ऐसा लग रहा था कि राम लहर में भाजपा वाकई में इस बार चुनावों में 400 सीटों के पार चली जायेगी तभी राहुल गांधी की टीम ने भाजपा पर संविधान को बदलने और लोकतंत्र को खत्म करने की चाल चलने जैसे आरोप लगाने शुरू कर दिये। इन आरोपों को जन-जन तक पहुँचाने के लिए कुछ सोशल मीडिया इनफ्लुएंसरों की मदद भी ली गयी। उनसे भी वीडियो बनवाये गये और आखिरकार यह टीम जनता के मन में यह बात बिठाने में सफल रही कि अगर मोदी 400 सीटों के साथ सत्ता में वापस आये तो संविधान बदल देंगे। प्रधानमंत्री चुनावों में बार-बार कह रहे थे कि उनका अगला कार्यकाल और भी बड़े फैसलों वाला होगा। इसे इस रूप में दर्शाया गया कि अगला बड़ा फैसला आरक्षण खत्म करने का होगा। यह बात लोगों के मन में बिठाने के लिए डीपफेक वीडियो बनवाये गये जिसे कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने भी शेयर कर भ्रम फैलाने का काम किया। जब कांग्रेस ने यह देखा कि प्रधानमंत्री उनकी चाल समझ गये हैं और इस ओर से लोगों का ध्यान हटाने के लिए मंगलसूत्र और मुजरा जैसे शब्दों का उपयोग कर रहे हैं तब कांग्रेस ने दूसरी चाल चलते हुए कुछ ऐसे चुनावी जुमले पेश किये जिसमें कही जा रही बातों पर बड़ी संख्या में मतदाताओं ने यकीन कर लिया। दरअसल, कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में महालक्ष्मी योजना के तहत महिलाओं को एक लाख रुपए सालाना देने का वादा किया था। इसके अलावा युवाओं से %पहली नौकरी पक्की% जैसा महत्वपूर्ण वादा किया था। साथ ही कांग्रेस ने देश में जाति जनगणना करवाने और अग्निवीर योजना को रद्द करने का वादा भी किया था। कांग्रेस ने जब यह देखा कि उसके घोषणापत्र में किये गये वादे जनता तक ठीक से पहुँच नहीं पा रहे हैं तो %खटाखट, फटाफट% जैसे शब्दों का उपयोग कर मतदाताओं का ध्यान आकर्षित किया गया। यह शब्द लोगों के कानों में गूंजते रहे और राहत पाने के उद्देश्य से लोगों ने कांग्रेस की झोली वोटों से भर दी। इसके अलावा कांग्रेस ने चुनावों के दौरान %मेरे विकास का हिसाब दो% और %सब कुछ ठीक नहीं है% जैसे प्रचार अभियानों के जरिये भी भाजपा को घेरने में सफलता हासिल की। कांग्रेस के पूरे प्रचार अभियान पर नजर डालेंगे तो लगेगा कि सिर्फ कंटेंट के मामले में ही नहीं बल्कि टाइमिंग के हिसाब से भी पार्टी की प्रतिक्रिया जोरदार रही। हम आपको बता दें कि इस साल की शुरुआत में कांग्रेस ने प्रचार अभियान को नई धार देने के लिए भाषा और क्षेत्र के हिसाब से चार टीमें गठित की थीं। हर टीम में 900 से लेकर एक हजार तक इंटर्न थे जोकि उस क्षेत्र में स्थानीय सोशल मीडिया टीमों के साथ संपर्क में रहते थे। हर क्षेत्र की टीम में काम कर रहे लोगों को विभिन्न इलाकों के व्हाट्सएप ग्रुपों में भी शामिल किया गया था ताकि आपसी समन्वय बेहतर तरीके से हो सके। चुनाव प्रचार के दो महीनों के दौरान के भाजपा और कांग्रेस के सोशल मीडिया अकाउंटों पर लाइक, रीपोस्ट या कमेंटों का विश्लेषण करेंगे तो पाएंगे कि कांग्रेस की डिजिटल टीम का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा क्योंकि सोशल मीडिया पर उसकी पोस्टों को लोगों ने काफी पसंद किया।

आपराधिक आरोपों के प्रत्याशियों से किसी दल को गुरेज नहीं

योगेंद्र योगी

राजनीतिक दलों में चाहे जितने भी वैचारिक और सैद्धान्तिक मतभेद हों किन्तु एक मुद्दे पर देश के सभी राजनीतिक दलों में मौन सहमति है। यह चुप्पी है आपराधिक पृष्ठभूमि के सांसद, विधायक और अन्य जनप्रतिनिधियों के चुने जाने को लेकर। लोकसभा चुनाव के दौरान किसी भी राजनीतिक दल ने लोकतंत्र की पवित्रता को बचाए रखने के लिए आपराधिक रिकार्ड वाले प्रत्याशियों को दरकिनार करना तो दूर बल्कि सत्ता का समीकरण बिठाने के लिए बढ़-चढ़ कर टिकट दिए। सत्ता का स्वार्थ इस कदर हावी है कि इस मुद्दे पर कोई चर्चा तक करना नहीं करना चाहता। यही वजह रही कि लोकसभा के चुनाव में अपराध और राजनीति चुनावी मुद्दा नहीं बन सका। राजनीतिक मंचों से दलों ने एक-दूसरे पर कई तरह के आरोप लगाए पर आपराधिक आरोपों के नेताओं को टिकट देने के मामले में सब के सब मौन रहे। 18वीं लोकसभा चुनाव में कुल 543 सीटों में से 251 नवनिर्वाचित सांसद ऐसे हैं, जिन के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। हत्या, बलात्कार, लूट और डकैती जैसे अपराध के गंभीर आरोपों से नेताओं का दामन दागदार है। ऐसे में देश में अपराध और भय से मुक्ति दिलाने की सिर्फ कल्पना ही की जा सकती है। आपराधिक आरोपों के विजयी उम्मीदवारों में भारतीय जनता पार्टी सबसे आगे है। भाजपा के 240 विजयी उम्मीदवारों में से 63 सांसदों पर हर तरह मामले विचाराधीन हैं। कांग्रेस के 99 विजयी उम्मीदवारों में से 32 सांसदों, सपा के 37 विजयी उम्मीदवारों में से 17 सांसदों और तृणमूल कांग्रेस के 29 विजयी उम्मीदवारों में से 7 सांसदों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। लोकसभा चुनाव में 170 विजयी उम्मीदवारों ने बलात्कार, हत्या, हत्या के प्रयास, अपहरण, महिलाओं के खिलाफ अपराध आदि से संबंधित मामलों सहित गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए हैं। अपराधी छवि के जीतने वाले उम्मीदवारों की संख्या बढ़ती जा रही है। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनावों में 539 सांसदों में से 233 सांसदों ने अपने विरुद्ध आपराधिक मामले घोषित किये थे। इनमें से 159 सांसदों के खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। पिछली लोकसभा में जहां कुल सदस्यों के 43 फीसदी अर्थात 233 सांसदों के खिलाफ आपराधिक मुकदमे थे, तो अब नई 18वीं लोकसभा में 46 फीसदी के साथ ये संख्या 251 हो गई है। इसमें तीन फीसदी का इजाफा हो गया है, लेकिन 2009 से मुकाबला करें तो 15 साल में इसमें 55 फीसदी का इजाफा हुआ है। इस लोकसभा में 170 गंभीर आरोपियों में 27 सांसद सजायाफ्ता हैं, वहीं, 4 पर हत्या के मामले हैं. 15 सांसदों पर महिलाओं के खिलाफ अपराध के इल्जाम हैं, जिनमें से 2 पर रेप का आरोप है। अपराधी पृष्ठभूमि वाले 43 सांसद हेट स्पीच के आरोपी हैं। वोट बैंक की राजनीति इस हद तक नीचे गिर गई है आपराधिक कृत्यों के आरोपों में न तो प्रत्याशी में कोई शर्म बाकी रह गई और न ही राजनीतिक दलों में। दूसरे शब्दों में कहें तो राजनीतिक दलों में सत्ता की प्रतिस्पर्धा से अपराधी छवि वाले प्रत्याशी जीत कर देश और राज्यों को चलाने के लिए संसद और विधानसभाओं तक पहुंच रहे हैं। लोकतंत्र में शुचिता और पारदर्शिता की मिसाल पेश करने के बजाए नेता और राजनीतिक दल उल्टी गंगा बहा रहे हैं। सार्वजनिक तौर बिना झिझक माफियाओं से गलबहियां डालना और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने पर नेताओं के संवेदना दिखा कर वोट बटोरने का प्रयास करने का सिलसिला जारी है।

सोशल मीडिया की जागरुकता के इस दौर में यह प्रवृत्ति कांग्रेस और भाजपा में कम नजर आती है, किन्तु अन्य दलों में जरा भी लोकलाज नहीं बची है। उत्तर प्रदेश में माफिया अतीक अहमद और उसके भाई की हत्या पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने ऐसे दुर्दांत अपराधियों के खात्मे के बजाए उल्टे आरोप लगाए। यादव ने ट्वीट किया था कि उत्तर प्रदेश में अपराध की पराकाष्ठा हो गयी है और अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। सपा सांसद रहे दिवंगत डॉ शफीकुर्रहमान बर्क ने इस माफिया के अपराधी भाई अतीक अशरफ के पुलिस एनकाउंटर में मारे जाने पर ट्वीट कर कहा था कि देश में कोर्ट कचहरी और थानों में ताले लग जाने चाहिए। कानून-व्यवस्था को मिट्टी में मिला दिया। उत्तर प्रदेश के ही माफिया मुख्तार अंसारी की बीमारी से हुई मौत को लेकर सपा प्रमुख अखिलेश ने मुस्लिमों की संवेदनाएं बटोरने और उन्हें उकसाने में कसर नहीं छोड़ी। अंसारी के परिवार की मिजाजपुर्सी के लिए पहुंचे अखिलेश ने कहा था परिवार का दुख बांटने और जो घटना हुई है वो शॉकिंग थी सबके लिए। यादव ने अंसारी के आपराधिक कृत्यों पर पर्दा डालते हुए कहा था कि जो व्यक्ति इतने वर्षों जेल रहा हो और उसके बाद भी जनता जिता रही हो तो इसका मतलब परिवार और उस व्यक्ति ने जनता का दुख दर्द बांटा है। अंसारी के खिलाफ 60 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज थे। बाहुबली अतीक अहमद और शहाबुद्दीन का नाम लेकर वोट की अपील करने पर मुकदमा दर्ज होने से बौखलाए यूपी की संभल सीट पर सपा की टिकट पर सांसद चुने गए जियाउर्रहमान बर्क ने मंच से चुनाव आयोग और पुलिस प्रशासन के अधिकारियों को धमकी भरे तेवर दिखाए थे। उन्होंने कहा कि बीजेपी के लोग आचार संहिता का उल्लंघन करें तो कोई कुछ नहीं कहता, लेकिन हम दायरे में रहकर भी सही बात करें तो मुकदमा दर्ज कर देते हैं। जियाउर्रहमान ने मंच से ही चुनाव आयोग और पुलिस प्रशासन के अधिकारियों से धमकी भरे अंदाज में कहा था कि याद रखना हमेशा एक जैसे दिन नहीं रहते हैं क्योंकि कभी दिन बड़ा होता है तो कभी रात बड़ी होती है, लेकिन जिस दिन वक्त बदलेगा तो हम इन चीजों को भूलने वाले नहीं हैं। उत्तर प्रदेश की तरह बिहार में भी आपराधिक रिकार्डधारी आरोपियों और उनके परिवार के सदस्यों को गले लगाने के लिए राजनीतिक दल आतुर रहे हैं। इस लोकसभा चुनाव में बिहार में पांच बाहुलियों ने अपनी पत्नियों को मैदान में उतारा था, इनमें तीन को हार का सामना करना पड़ा। जबकि दो को जीत मिली। हत्या के मामले में दोषी और डॉन आनंद मोहन की पत्नी लवली आनंद ने जेडीयू के टिकट पर शिवहर चुनाव जीता है। सिवान से जेडीयू के टिकट पर चुनाव जीतने वालीं विजयलक्ष्मी देवी बाहुबली नेता रमेश सिंह कुशवाहा की पत्नी हैं। रमेश का ताल्लुक से माओवादी संगठन से सम्बद्ध सीपीआई एमएल से रहा है और शिवजी दुबे हत्याकांड में जेल भी जा चुके हैं। राजनीतिक दलों का एकमात्र उद्देश्य सिर्फ सत्ता प्राप्त करना रह गया है। इसके लिए बेशक संगीन अपराधों के आरोपियों को ही टिकट देकर क्यों न जिताना पड़े। अपराध के आरोपियों को टिकट देने के लिए राजनीतिक दल जितने जिम्मेदार हैं, उतने ही उन लोकसभा क्षेत्रों के मतदाता भी जिम्मेदार हैं। मतदाता जात-पांत, धर्म, ऊंच-नीच और प्रचार के दौरान किसी न किसी रूप में फायदा मिलने के लालच में ऐसे प्रत्याशियों को जिताने में पीछे रहते है।

पत्नी को काटा, फिर खुद लगाई फांसी

फावड़े से गले और सिर पर किया वार, खेत के स्टोर रूम में मिली लाश

मीडिया ऑडीटर, भिलाई एजेंसी। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में पति ने फावड़े से काट कर पत्नी की हत्या कर दी। इसके बाद खुद फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली है।पूरा मामला उतई थाना क्षेत्र के खोपली गांव का है। मिली जानकारी के मुताबिक ये वारदात शुक्रवार शाम की है। पति का नाम हेंगल और पत्नी का दशोदा बताया जा रहा है। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

पाटन एसडीओपी आशीष बंछोर ने बताया कि हेंगल, दशोदा के साथ शाम 6 बजे के करीब खेत गया था, जिसके बाद दोनों वापस नहीं लौटे। जब घर के लोग उन्हें खोजते-खोजते खेत पहुंचे तो देखा स्टोर रूम का दरवाजा अंदर से बंद था।

रात 10 बजे पुलिस को मिली सूचना: उतई थाना प्रभारी मनीष शर्मा के मुताबिक उन्हें रात 10 बजे सूचना मिली तो वो अपनी टीम लेकर मौके पर पहुंचे। वहां लोगों की भीड़ जमा हो गई थी। लोगों ने दरवाजा तोड़ने की कोशिश की, लेकिन वो नहीं खुला।

इसके बाद दीवार में छेनी हथौड़ी के सहारे होल किया गया। होल से देखा गया तो हेंगल फंदे पर लटका था। जमीन पर दशोदा खून से लथपथ पड़ी थी।

फावड़े से पत्नी को मारा: उतई थाना प्रभारी ने बताया कि हेंगल ने स्टोर रूम में रखे फावड़े से दशोदा पर हमला किया। उसने गले और सिर पर कई वार किए, जिससे उसकी मौत हो गई। इसके बाद खुद भी छत में लगी लकड़ी के सहारे फंदा बनाकर झूल गया। टीआई का कहना है कि हेंगल के बेटों और दोस्तों से पूछताछ करेगी कि आखिर पति पत्नी के बीच कैसे संबंध थे। उसने इतना बड़ा कदम क्यों उठाया।

देर रात एक बजे तोड़ा गया दरवाजा: स्टोर रूम का दरवाजा और दीवार काफी मजबूत होने से टूट नहीं रही थी। गांव के लोगों की मदद से कई घंटों की मशक्कत के बाद देर रात 1 बजे दीवार में होल करके और दरवाजा तोड़कर पुलिस स्टोर रूम के अंदर पहुंची। इस दौरान एसडीओपी पाटन और उतई पुलिस मौके पर मौजूद रही। पुलिस ने स्टोर रूम को सील कर दिया है।

परिजन बोले- दामाद ने बेटी को मार डाला

संदिग्ध हालत में मिली नवविवाहिता की लाश, 1 महीने पहले ही जेल से छूटा था

मीडिया ऑडीटर, कोरबा एजेंसी। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में 22 वर्षीय नवविवाहिता की कमरे में लाश मिली है। मृतिका के परिजन जब बेटी के घर पहुंचे तो मामले का खुलासा हुआ है। परिजनों का कहना है कि दामाद ने ही बेटे को मार डाला है। कुछ दिन पहले ही एक मर्डर केस में जेल से छूटा है। पूरा मामला कोतवाली थाना क्षेत्र के मोती सागरपारा बस्ती का है।

दरअसल, पूजा बरेठ की मोती सागर पारा निवासी राजेन्द्र गोड़ (28) उर्फलूडो से 2 साल पहले लव मैरिज हुई थी। इसके बाद पारिवारिक जीवन जी रहे थे। शादी के बाद बेटा है, जो डेढ़ साल का है।

डॉक्टर्स पूजा को मृत घोषित कर दिया: मृतिका की बड़ी बहन तिहारिन बाई ने बताया कि उसे घटनाक्रम की जानकारी हुई, तब उसके घर पहुंची। पूजा बरेठ को निजी अस्पताल लेकर गए, लेकिन डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया।

ससुराल वाले पूजा से करते थे मारपीट: मृतिका के परिजनों ने आरोप लगाया है कि शादी के बाद से दामाद परेशान किया करता था। पूजा से आए दिन मारपीट करता था। बेटी जब घर आई थी तो आप बीती बताई थी। कई बार उसे घर में खाने को नहीं देते थे।

एक महीने पहले ही दामाद जेल से आया: परिजनों ने कहा कि पूजा का पति राजेंद्र सीतामढ़ी क्षेत्र में एक मर्डर केस में जेल में बंद था, जो एक महीने पहले ही छूटकर घर आया था। ऐसे में परिजन कई तरह की आशंका जता रहे हैं। दामाद ने ही बेटी को मारा है। पुलिस से जांच कर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

पुलिस कर रही पूछताछ: कोतवाली पुलिस ने मृतिका के परिजनों के आरोप पर पति को हिरासत में ले लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है। वहीं लाश को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस रिपोर्ट का इंतजार कर रही है।

रायपुर, सरगुजा संभाग के जिलों में हीट वेव का अलर्ट

शुक्रवार को आंधी-बारिश से गिरे पेड़, 3 की मौत

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ में सरगुजा संभाग के सभी जिलों और रायपुर के एक दो जगहों पर हीट वेव चल सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश में 2 दिन बाद यानी 17 जून से बारिश की गतिविधियां बढ़ेगी। इसके बाद अधिकतम तापमान में 3 से 4 डिग्री की गिरावट आएगी। आज रायपुर में अंधड़ चलने के साथ गरज-चमक के साथ बारिश होने की संभावना है।

बस्तर संभाग के सभी जिलों समेत दुर्ग, बालोद, बेमेतरा, कबीरधाम, राजनांदगांव, रायपुर, गरियाबंद, धमतरी, महासमुंद, पेंड्रा, बिलासपुर रायगढ़, मुंगेली जिले में हल्की बारिश हो सकती है। सूरजपुर और रायगढ़ में शुक्रवार शाम आंधी-बारिश से पेड़ टूटकर गिर पड़े। सूरजपुर में एक महिला की मौत हो गई। वहीं रायगढ़ में बिजली का तार टूटकर गिरने से बाइक सवार 2 युवकों की मौत हो गई।

घर में घुसकर कांग्रेस नेता को काट डाला

पैसे नहीं देने पर पूर्व जनपद सदस्य पर धारदार हथियार से वार, परिवार के सामने हत्या

मीडिया ऑडीटर, जगदलपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में पैसा नहीं देने पर कांग्रेस नेता की हत्या की गई थी। इस मामले में पुलिस ने शुक्रवार को 4 नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। ये सभी छोटे कैडर के हैं और गांव में ही रहकर काम करते हैं। पकड़े गए नक्सलियों ने कहा कि बार-बार रुपए मांगने पर भी नहीं दिए तो घर में घुसकर काट डाला।

कांग्रेस नेता और पूर्व जनपद पंचायत सदस्य जोगाराम पोड़ियाम जिले के नक्सल प्रभावित इलाके पोटाली के रहने वाले थे। 26 अप्रैल की रात करीब 11 बजे नक्सली अचानक उनके घर में घुस गए। इसके बाद परिवार वालों के सामने ही धारदार हथियार से वार कर जोगाराम की हत्या कर दी थी।

पुलिस पूछताछ में पकड़े गए नक्सलियों ने बताया कि मलांगेर एरिया कमेटी के हार्डकोर नक्सलियों ने जोगाराम से पैसे की डिमांड की थी। पूछताछ में इनसे और भी कई खुलासे हुए हैं।

ऐसे हुई गिरफ्तारी: पुलिस को जानकारी मिली थी कि गांव में रहने वाला युवक सोमाराम उर्फ कालू मंडावी नक्सल संगठन में मिलिशिया सदस्य के रूप में काम करता है। इसके बाद पुलिस ने गांव में दबिश दी और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में उसने बताया कि बड़े नक्सली कैडर्स ने इसे जोगाराम के नाम का एक पर्चा दिया था। जिसमें पैसे की डिमांड के बारे में लिखा हुआ था। इसने पर्चा जोगा के घर पहुंचाया था।

बार-बार पैसे की डिमांड कर रहा था, लेकिन जोगाराम ने पैसे देने से इनकार कर दिया था। इसी बात से नक्सली खफा हो गए थे और उन्होंने जोगाराम की हत्या का फरमान जारी कर दिया था। इसके बाद 26 अप्रैल की रात अपने अन्य नक्सली साथी बंडी माड़वी, हूंगाराम मरकाम, सुक्का राम सोढ़ी समेत अन्य के साथ मिलकर कांग्रेस नेता जोगाराम के घर घुस गए थे। जिसके बाद उसकी हत्या कर दिए।

अन्य 3 भी नक्सली: जब इस नक्सली ने अपने अन्य तीन साथी बंडी माड़वी, हूंगाराम मरकाम, सुक्का राम सोढ़ी का नाम लिया तो पुलिस ने उन तीनों की भी हिस्ट्री खंगाली। ये तीनों भी गांव में ही मौजूद थे। जिसके बाद उन्हें भी गांव से गिरफ्तार किया गया। जब तीनों नक्सलियों से भी पूछताछ की गई तो उन्होंने भी करीब 8 से 10 और साथियों के नामों का खुलासा किया है।

और भी होंगे गिरफ्तार: दंतेवाड़ा एसडीपी गोविंद सिंह दीवान ने बताया कि हत्या की कड़ी बड़ी लंबी है। एक एक कर सारे लोगों को गिरफ्तार किया जा रहा है। अब तक 4 लोगों को गिरफ्तार किया गया है जिन्होंने कई बड़े खुलासे किए हैं। जल्द ही बाकी की गिरफ्तारी की जाएगी। जिन्हें गिरफ्तार किया गया है ये सभी छोटे कैडर के नक्सली हैं जो गांव में ही रहकर नक्सली संगठन के लिए काम किया करते थे।

अचानकमार टाइगर रिजर्व से 3 गांव होंगे विस्थापित

प्रशासनिक स्तर पर तैयारी शुरू, 15 साल से कोर एरिया में विस्थापन का इंतजार

मीडिया ऑडीटर, मुंगेली एजेंसी। छत्तीसगढ़ से वन्य-जीवों और वन प्रेमियों से जुड़ी अच्छी खबर है। प्रदेश के सबसे बड़े टाइगर रिजर्व में शामिल लोरमी के अचानकमार टाइगर रिजर्व में 3 गांवों के विस्थापन की प्रक्रिया अब जल्द ही शुरू होने वाली है। कोर एरिया में बसे बिरारपानी, छिरहट्टा और तिलईडबरा गांव को जंगल से जल्द ही विस्थापन किया जाएगा। इसको लेकर प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी गई है। इन तीनों गांवों को लोरमी के पास भारतपुर और सांवतपुर के पास बसाया जाना है।

133 परिवार होंगे विस्थापित: जानकारी के मुताबिक, विस्थापित होने वाले इन गांवों के करीब 133 परिवार के लोगों को कोर एरिया से विस्थापित किया जाएगा। इस मामले में डिप्टी सीएम अरुण साव ने कहा कि, विस्थापन में इस बात का ख्याल रखा जाएगा कि विस्थापित होने वाले परिवारों को सभी सुविधाएं मिले।

15 साल से 16 गांवों के विस्थापन का इंतजार: साल 2009 में अचानकमार अभ्यारण को टाइगर रिजर्व घोषित किया गया था। इसके बाद कोर एरिया में बसे 25 गांव को वहां से स्थापित किया जाना था। साल 2010 में 6 गांव का विस्थापन तो कर दिया गया, लेकिन 15 साल गुजर जाने के बावजूद 19 गांव का विस्थापन अभी भी बचा हुआ है।

ऐसे में अब इन तीन गांव के स्थापित हो जाने से जंगल के अंदर वन्य प्राणियों को सुरक्षित रहवास के लिए जगह मिलेगी। वहीं, शाकाहारी वन्य जीवों के लिए ग्रासलैंड डेवलपमेंट पर काम भी किया जाएगा। जिससे आने वाले समय में शाकाहारी वन्यजीवों के साथ-साथ मांसाहारी वन्य जीव जैसे शेर, तेंदुआ, भालू इनकी संख्या भी टाइगर रिजर्व के अंदर बढ़ेगी। वहीं पर्यटक भी इनका आने वाले समय में दीदार कर सकेंगे।

इन जगहों पर बसेंगे गांव: एटीआर प्रशासन से मिली जानकारी के मुताबिक जिन तीन गांवों का विस्थापन होना है, उनमें से वनग्राम तिलईडबरा के 77 परिवारों को लोरमी के कक्ष क्रमांक 96 में, बिरारपानी के 26 परिवारों को कक्ष क्रमांक 558 और छिरहट्टा के 30 परिवारों को कक्ष क्रमांक 557 के करीब बसाए जाने की योजना पर काम चल रहा है।

कोयला लोड ट्रक में लगी आग

टोल प्लाजा के पास मची अफरा-तफरी, फायर ब्रिगेड की टीम ने पाया काबू

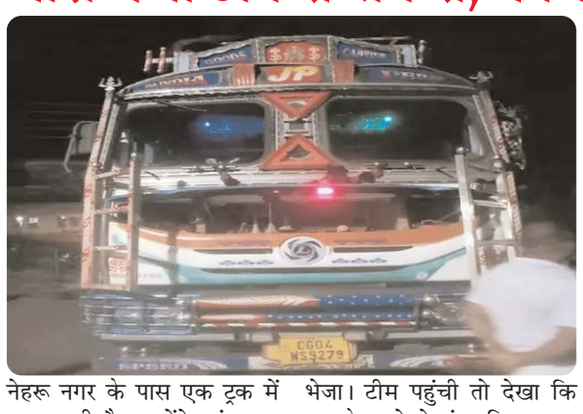

मीडिया ऑडीटर, भिलाई एजेंसी। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में कोयला लोड एक ट्रक में अचानक आग लग गई। आग लगने की जानकारी ट्रक ड्राइवर को नहीं थी। वह जैसे ही बाफना टोल प्लाजा पहुंचा, वहां के सीसीटीवी कैमरे में आग लगने की जानकारी लगी। इसके बाद फायर ब्रिगेड की टीम पहुंची और आग को बुझाया। दुर्ग जिले के अग्निशमन अधिकारी नागेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि 15 जून की रात 2 बजे उनके पास फोन आया कि बाफना टोल प्लाजा नेहरू नगर के पास एक ट्रक में आग लगी है। उन्होंने तुरंत एक टीम को फायर ब्रिगेड के साथ वहां भेजा। टीम पहुंची तो देखा कि ट्रक के डाले से धुंआ निकल रहा है।

पानी की मदद से आग पर काबू पाया: कोयल के अंदर से आग निकल रही है। अग्निशमन कर्मियों ने ट्रक पर रखे कोयला पर में लगी को बुझाने का प्रयास किया तो आग और भड़कने लगी। इसके बाद बड़ी सावधानी से एक दमकल पानी की मदद से आग पर क़ाबू पाया गया। समय पर पानी डालने से आग को ट्रक के दूसरी तरफबढ़ाने से रोक लिया गया। इससे एक बड़ा हादसा होने से टल गया। गनीमत यह रही कि दुर्घटना में किसी प्रकार की जानमाल की हानि नहीं हुई।

बिलासपुर से कोयल लेकर आ रहा था ट्रक: जानकारी के मुताबिक ट्रक सीजी04 एनएस9279 बिलासपुर से कोयला लोडकरके दुर्ग की तरफ आ रहा था। उसे दुर्ग के रममढ़ा इंडस्ट्रियल एरिया जाना था। यदि समय पर आग लगने की जानकारी नहीं होती तो ट्रक में रखा कोयला पूरी तरह से आग पकड़ लेता और ट्रक जलकर राख हो जाता। अग्निशमन विभाग की टीम यह नहीं पता लगा पाई है कि आग गर्मी की वजह से लगी या अन्य किसी कारण से।

पेड़ की टहनी गिरने से महिला की मौत

सूरजपुर, एजेंसी। सूरजपुर जिले में शुक्रवार को तेज आंधी तूफान के साथ जमकर बारिश हुई। इस दौरान आम के पेड़ की टहनी महिला के ऊपर गिरने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना ओड़गी विकासखंड के ग्राम पंचायत पकनी करौटी की है।

जानकारी के मुताबिक, गांव पकनी के बाजार पारा मोहल्ला निवासी गांगी पैकरा (50) आम बीनने गई थी, तभी अचानक तेज आंधी तूफान से आम पेड़ की डाली उसके ऊपर गिर गई। मौत की सूचना पुलिस को दी गई। चेंद्रा पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

एक साथ 13 थानेदारों का ट्रांसफर

थानेदारों की पोस्टिंग में राजनीतिक दबाव, विधायक की शिकायत पर बदले गए इंस्पेक्टर

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। बिलासपुर में लोकसभा चुनाव आचार संहिता के बाद एसपी ने एक साथ 13 थानेदारों का ट्रांसफर आदेश जारी किया है। तबादला आदेश में राजनीतिक एप्रोच और शिकायत को भी तवज्जों देने का दावा किया जा रहा है। वहीं, खराब परफार्मेंस और अवैध वसूली के चलते भी थानेदारों को हटाने की बात कही जा रही है।

जारी आदेश के अनुसार सकरी थानेदार अभय बैस को हटाकर एयरपोर्ट सुरक्षा के लिए भेजा गया है। वहीं, कोटा टीआई रजनीश सिंह को रतनपुर और बेलगहना चौकी प्रभारी विवेक पांडेय को लाइन अटैच कर दिया गया है। हालांकि, जारी आदेश में प्रशासनिक कारणों का हवाला दिया गया है।

किसानों से अवैध वसूली करने का आरोप: लोकसभा चुनाव के बाद आचार संहिता के बीच कोटा विधायक अटल श्रीवास्तव ने अवैध रेत उत्खनन के नाम पर किसानों से अवैध वसूली करने का आरोप लगाया था। इसके साथ ही हाल ही में कोटा व बेलगहना क्षेत्र में पुलिसकर्मियों के रेत परिवहन करने वाले ट्रैक्टर मालिकों से पैसे वसूली की शिकायत आईजी से की गई थी।

थानेदारों के परफार्मेंस के आधार पर पोस्टिंग: हालांकि, इस दौरान मौखिक आदेश पर तोरवा टीआई राहुल तिवारी और सिरगिट्टी प्रभारी भारती मरकाम की पोस्टिंग जरूर की गई थी। इस दौरान वो खुद थानेदारों की गतिविधियों पर नजर रख रहे थे। क्राइम मीटिंग में भी उन्होंने थानेदारों के परफार्मेंस के आधार पर पोस्टिंग और ट्रांसफर करने की चेतावनी दी थी।

2 आरक्षक के भरोसे थीं थानेदार: बताया जा रहा है कि सिरगिट्टी थाना प्रभारी भारती मरकाम मौखिक आदेश पर जमीं थीं। इस दौरान उनका खराब परफार्मेंस रहा। दो आरक्षकों के भरोसे वो थाना चला रहीं थीं। वहीं, वाहन चेकिंग के दौरान पैसे वसूली की शिकायतें भी मिल रही थी, जिसके चलते उन्हें अब हटाकर महिला थाने भेज दिया गया है।

तखतपुर क्षेत्र में नए थानेदारों की पोस्टिंगजारी तबादला आदेश में सत्ताधारी दल के विधायकों की पसंद का भी ख्याल रखा गया है। यही वजह है कि तखतपुर क्षेत्र के सकरी में पदस्थ अभय सिंह बैस को हटाकर उनकी जगह चकरभाटा टीआई दामोदर मिश्रा को भेजा गया है।

तखतपुर टीआई हरीश तांडेकर को बेलगहना चौकी प्रभारी बना दिया गया है। वहीं, दामोदर की जगह रविंद्र अनंत को चकरभाटा थाने की जिम्मेदारी दी गई है।

बेहतर काम का मिला इनाम: एसपी ऑफिस में पदस्थ सुमंतराम साहू पहले तखतपुर थाने में पदस्थ थे, तब उनका ट्रांसफर शिकायत शाखा में किया गया था। यहां बेहतर काम करने की वजह से एसपी रजनेश सिंह ने उन्हें सिटी कोतवाली टीआई बनाया है। जबकि, सिटी कोतवाली टीआई विजय चौधरी को सिरगिट्टी थाने की जिम्मेदारी दी गई है।

कोनी कांड- टीआई हटाए गए, आरक्षक पर नहीं हुई कार्रवाई: कोनी में कुछ दिन पहले लूट के आरोप में युवक पर पुलिस पिटाई और हत्या का आरोप लगा था। मृतक युवक के परिजनों ने आरक्षक शैलेंद्र साहू पर मारपीट करने का आरोप लगाया था। कहा जा रहा है कि वो टीआई के संरक्षण में पेट्रोलिंग टीम में था। इसे गंभीरता से लेते हुए एसपी ने कोनी टीआई गोपाल सतपथी को हटाकर एयरपोर्ट सुरक्षा में तैनात थानेदार नवीन देवांगन को कोनी भेजा है।

अनिल अग्रवाल बने कोटा टीआई: बेलगहना चौकी प्रभारी रहे अनिल अग्रवाल को एसपी रजनेश सिंह ने पहले तारबाहर थाने की जिम्मेदारी दी थी। अब जारी आदेश में उन्हें तारबाहर से कोटा थाने भेजा गया है। बता दें कि बेलगहना चौकी कोटा क्षेत्र में ही आता है और अग्रवाल वहां पहले काम कर चुके हैं। यह अलग बात है कि उनकी कार्यप्रणाली को लेकर हमेशा से सवाल उठते रहा है।

मंदबुद्धि युवक का गला रेंता, चाकू मारकर फाड़ा पेट

दिनदहाड़े युवक की हत्या, पुलिस ने आरोपी युवक को किया गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, सरगुजा एजेंसी। सरगुजा जिले के कुंवरपुर में शनिवार दिनदहाड़े एक युवक ने मंदबुद्धि युवक का गला काट दिया एवं पेट फाड़ दिया। गंभीर रूप से घायल मंदबुद्धि युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक को आरोपी युवक अपने साथ बाइक में घूमाने के नाम पर बैठाकर साथ ले गया था। पुलिस ने आरोपीय युवक को हिरासत में ले लिया है। घटना लखनपुर थानाक्षेत्र की है।

जानकारी के मुताबिक, लखनपुर अंतर्गत ग्राम कुंवरपुर निवासी मुकेश यादव (30) को मोहल्ले का ही युवक नीरज साहू (25) को शनिवार सुबह घूमाने के नाम पर अपने साथ पल्सर बाइक में बैठाकर ले गया। नीरज साहू बाइक से मुकेश यादव को लेकर कुंवरपुर के नहर किनारे पहुंचा। उसने बाइक से मुकेश को उतरने के लिए कहा। मुकेश यादव उतरकर टहलने लगा।

पहले डंडे से पीटा, फिर काटा गला: नीरज साहू ने बाइक में रखा डंडा निकाला एवं मुकेश की पहले पिटाई की। उसने धारदार चाकू निकालकर मुकेश यादव का गला काट दिया एवं पेट में चाकू से जोरदार हमला कर दिया। मुकेश यादव के पेट की अंतड़ियां बाहर आ गईं एवं गला कटने से वह मौके पर गिर गया। उसकी तत्काल मौत हो गई।

संक्षिप्त समाचार

कर्मचारी चयन मण्डल द्वारा आयोजित संयुक्त परीक्षा-2022 में पिछड़ा वर्ग आरक्षण का मिलेगा पूरा लाभ

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल कर्मचारी चयन मण्डल द्वारा समूह-3, उपयंत्री, मान चित्रकार, समयपाल एवं समकक्ष पदों की सीधी एवं बैकलॉग भर्ती के लिये संयुक्त परीक्षा-2022 के परीक्षा परिणाम में अन्य पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण के लाभ को लेकर माननीय उच्च न्यायालय में दायर याचिका क्रमांक-6036/2023 को डिसमिस कर दिया गया है। अब परीक्षा परिणाम अनुसार पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को 27 प्रतिशत आरक्षण का पूरा लाभ मिलेगा। शासन ने इस संबंध में 26 जून 2023 की कंडिका-5 अनुसार पदों की भर्ती में पिछड़ा वर्ग आरक्षण का लाभ देने नियमानुसार कार्रवाई करने के लिये संबद्ध विभागों को 14 जून, 2024 को आदेश जारी कर दिये हैं। कर्मचारी चयन मण्डल द्वारा समूह-3, उपयंत्री, मान चित्रकार, समयपाल एवं समकक्ष पदों की सीधी एवं बैकलॉग भर्ती के लिये संयुक्त परीक्षा-2022 का परिणाम पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण के साथ घोषित किया था। न्यायालयीन प्रकरण को ध्यान में रखते हुए कर्मचारी चयन मण्डल द्वारा 87 प्रतिशत रिक्त पदों के लिये नियुक्ति आदेश जारी किये गये। इसमें अन्य पिछड़ा वर्ग के 14 प्रतिशत आरक्षण के आधार पर अभ्यर्थियों के नियुक्ति आदेश जारी किये गये। माननीय उच्च न्यायालय द्वारा रिट याचिका पर सुनवाई और याचिका के डिसमिसल से अन्य पिछड़ा वर्ग के शेष 13 प्रतिशत अभ्यर्थियों की नियुक्ति का रास्ता खुल गया है।

प्रत्येक माह के अंतिम सोमवार को होगी सुनवाई

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के तृतीय और चतुर्थ श्रेणी कार्मिकों की विभिन्न समस्याओं की सुनवाई वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग के माध्यम से प्रत्येक माह के अंतिम सोमवार को की जाएगी। यह व्यवस्था इसलिए की गई है कि किसी भी कर्मचारी को कंपनी मुख्यालय में आने की आवश्यकता नहीं है। उनकी समस्याओं का निराकरण उनके कर्तव्य स्थल पर ही हो जाए। वह वृत्त कार्यालय के वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग रूम में उपस्थित हों, और वहीं से कंपनी मुख्यालय में प्रबंध संचालक और मानव संसाधन एवं प्रशासन विभाग के अधिकारी उनकी समस्याओं का निराकरण करेंगे। यह जानकारी मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री रघुराज एम.राजेन्द्रन ने दी है। प्रबंध संचालक ने कहा है कि कार्मिकों एवं उनकी व्यक्तिगत शिकायतों के प्रति कंपनी संवेदनशील है और इस प्रकार की शिकायतों का निराकरण वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग के जरिए प्रतिमाह किया जाएगा। इससे कर्मचारियों की शिकायतें शून्य हो जाएंगी और कर्मचारियों में कार्य के प्रति स्वस्थ वातावरण निर्मित होगा। प्रबंध संचालक ने कर्मचारियों से कहा कि आपकी हर समस्या का निदान किया जाएगा और मानवीय दृष्टिकोण तथा प्राकृतिक न्याय और शासकीय नियमों के अंतर्गत शिकायतों का निराकरण तत्काल सुनिश्चित करने की कारगर व्यवस्था की जाएगी। गौरतलब है कि वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग के माध्यम से तृतीय और चतुर्थ श्रेणी कार्मिकों की उच्च वेतनमान, निलंबन अवधि के वेतन, मेडिकल बिल, विभागीय जांच, लंबित विभागीय कार्रवाई के प्रकरण, कारण बताओ नोटिस आदि शिकायतों का निराकरण किया जाएगा।

अर्बन परियोजनाओं में स्वास्थ्य और सुरक्षा संबंधी बिन्दुओं की समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के उपक्रम मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी के अमरकंटक भवन स्थित मुख्यालय में जर्मन बैंक केएफडब्ल्यू सहायतित परियोजनाओं में स्वास्थ्य एवं सुरक्षा से जुड़े विषयों की समीक्षा की गई। समीक्षा बैठक में कम्पनी के अतिरिक्त प्रबंधक संचालक श्री के.एल. मीणा ने कहा कि केएफडब्ल्यू के विशेषज्ञों द्वारा दिए गए सुझावों का पालन किया जायेगा। साइट्स पर स्वास्थ्य एवं सुरक्षा से जुड़े मामलों को गंभीरतापूर्वक लेते हुए जो भी कमी होगी उसे दूर कर हेल्थ और सेफ्टी व्यवस्थाओं का सत्यापन किया जायेगा। श्री मीणा ने केएफडब्ल्यू के प्रतिनिधियों को बताया कि जन-जागरूकता के लिए प्रशिक्षण के उद्देश्य से कार्यशालाओं का आयोजन भी किया जायेगा। बैठक में केएफडब्ल्यू प्रतिनिधियों ने बड़वानी, सेंधवा और नर्मदापुरम सीवरेज परियोजनाओं के भ्रमण के बाद विषय से संबंधी सुझाव प्रस्तुत किए। बैठक में प्रमुख अभियंता श्री आनंद सिंह, केएफडब्ल्यू बैंक प्रतिनिधि श्री लुकास मेस, श्री राहुल मनकोटिया और श्री खाबी मौजूद रहे। बैठक का समन्वय तकनीकी अधिकारी श्री कमलेश भटनागर ने किया। परियोजना प्रबंधक श्री एस.के. उपाध्याय, उप परियोजना प्रबंधक श्री चंद्रशेखर, सहायक परियोजना अधिकारी श्री संजय पाण्डेय, जीटैक के मार्क व्हिप्पी, रिचर्ड मान, सामुदायिक विशेषज्ञ श्री हेमंत खरे और सुश्री छाया खले भी उपस्थित थे। गौरतलब है कि केएफडब्ल्यू के सहयोग से मध्यप्रदेश में नर्मदापुरम, सेंधवा, बड़वानी, मण्डला और नरसिंहपुर में सीवरेज परियोजना पर कार्य किया जा रहा है।

अंकसूची और डिग्री वितरण की कार्रवाई त्वरित गति से करें-श्री मंगुभाई पटेल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि परीक्षा परिणाम घोषित हो जाने पर अंकसूची और डिग्री के वितरण कार्य तेज़ी से करें। आगामी एक माह में डिग्रियों का वितरण सुनिश्चित करे, वितरण की स्थिति लंबित नहीं रहे। डीजीलॉकर में भी अंक सूचियां एवं डिग्री तत्काल अपलोड करे। इससे विद्यार्थियों को आगामी प्रवेश या प्लेसमेंट आदि में दिक्कत नहीं होगी। श्री पटेल ने कहा कि कुलगुरू छात्र-छात्राओं के अभिभावक बन कर उनकी परेशानियों को दूर करने का आत्मीय प्रयास करे। राज्यपाल श्री पटेल उक्त निर्देश ने प्रदेश के सभी शासकीय विश्वविद्यालयों के कुलगुरुओं की बैठक में दिए। राजभवन के सांदीपनि सभागार में आयोजित बैठक में उच्च शिक्षा मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार, अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा श्री के.सी. गुप्ता और राज्यपाल के प्रमुख सचिव श्री मुकेश चन्द गुप्ता मौजूद थे। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि विश्वविद्यालयों के दीक्षांत समारोहों का आयोजन लंबित नहीं रखे। समय सीमा में प्रति वर्ष दीक्षांत समारोह का आयोजन करे। इस वर्ष आयोजित होने वाले समारोह के साथ ही पूर्व के लंबित समारोह का भी आयोजन करे। उन्होंने कहा कि सभी विश्वविद्यालय अकादमिक कैलेंडर के अनुसार प्रवेश और परीक्षाओं का आयोजन करें। परीक्षा परिणाम अनिवार्यतः समय पर जारी होने चाहिए। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि विद्यार्थियों द्वारा की गई शिकायतों का प्राथमिकता के साथ निराकरण करे। इसके लिए विश्वविद्यालय प्रबंधन अपने स्तर पर आवश्यकता अनुसार ज़रूरी कार्रवाई करे।

नगरीय क्षेत्रों में 15 जुलाई से पौधरोपण अभियान

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश के सभी नगरीय क्षेत्रों में 15 जुलाई से 15 सितम्बर तक व्यापक पौधरोपण अभियान चलाया जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पौधरोपण को बढ़ावा देने के निर्देश दिये हैं। इस उद्देश्य से नगरीय क्षेत्र में पूरे 2 माह पौधरोपण अभियान चलेगा। शहरी क्षेत्रों में एक करोड़ 75 लाख पौधों को रोपा जायेगा। राज्य शासन ने नगरीय विकास एवं आवास विभाग से सभी कलेक्टर्स को निर्देश जारी किये हैं। सभी जिला कलेक्टर के नेतृत्व में अन्य विभागों के साथ मिलकर पौधरोपण अभियान चलाया जाएगा। वर्षाकाल में अधिक से अधिक पौधरोपण करने के निर्देश दिये गये हैं। नगर निगम इंदौर एवं भोपाल में 15-15 लाख, नगर निगम ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन में 10-10 लाख और शेष 11 नगर निगम में 5-5 लाख पौधे रोपे जायेंगे। इसी प्रकार एक लाख एवं इससे अधिक जनसंख्या की 17 नगर पालिकाओं में एक-एक लाख, एक लाख से कम जनसंख्या की 82 नगर पालिका में 15-15 हजार और 298 नगर परिषद में 10-10 हजार पौधे लगाये जायेंगे। नगरीय निकायों द्वारा पौधरोपण का कार्य नगरीय निकाय की स्वयं की हरित क्षेत्र के लिये आरक्षित भूमि, अन्य शासकीय भूमि तथा निजी कॉलोनियों में हरित क्षेत्र के लिये आरक्षित भूमि में किया जाएगा। निजी कॉलोनियों में पौधरोपण जन-सहयोग से होगा। निकाय द्वारा पौधों की आपूर्ति नगरीय निकाय एवं वन विभाग की नर्सरी तथा स्थानीय रूप से उपलब्ध पौधों से की जायेगी। अभियान में छायादार और औषधीय प्रजाति के पौधों का चयन करने को कहा गया है। सजावटी एवं हेज प्लांट का उपयोग नहीं होगा। निकायों द्वारा किये जाने वाले पौधरोपण की सुरक्षा का उचित प्रबंध करने को भी कहा गया है। निश्चित अंतराल एवं आवश्यकतानुसार पानी देने की व्यवस्था के भी निर्देश हैं। पौधों की निगरानी एवं रख-रखाव में निकाय द्वारा गैर सरकारी संस्थाओं और आम नागरिकों से सहयोग लेने की अपेक्षा की गई है। पौधरोपण कार्य वन, उद्यानिकी तथा नगरीय निकाय के स्वयं की उद्यानिकी शाखा के तकनीकी मार्ग दर्शन में किया जायेगा। अभियान में स्मृति वन, नक्षत्र वन, संस्कृति वन विकसित करने को प्रोत्साहित करने को कहा गया है।

देवास जिले में अवैध रेत परिवहन पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा दिए गए निर्देशों के परिपालन में रेत सहित अन्य खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन, भण्डारण तथा ओवरलोडिंग पर देवास जिले में कार्रवाई लगातार की गई है। सतवास तहसील के फतेहगढ़ घाट पर रेत के अवैध उत्खन्न के खिलाफ प्रशासन, खनिज विभाग और पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से कार्रवाई कर 28 ट्रैक्टर ट्राली जब्त किये गये है। एसडीएम कन्नौद श्री प्रवीण प्रजापति ने बताया कि प्रशासन, खनिज विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने फतेहगढ़ घाट पर रेत के अवैध उत्खन्न पर संयुक्त रूप से कार्रवाई कर 28 ट्रैक्टर ट्राली जब्त किये गये। ट्रैक्टर ट्रालियां सतवास थाने पर अभिरक्षा में खडे किये गये हैं। उन्होंने बताया कि टीम लगातार फतेहगढ़ घाट पर रेत के अवैध उत्खनन के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। खनिज अधिकारी देवास ने बताया कि जिले में किसी भी प्रकार के खनिजों के अवैध परिवहन को रोकने के लिए लगातार कार्रवाई की जायेगी। खनिजों अवैध उत्खनन एवं परिवहन करने वालों की मशीनें एवं डम्पर, ट्रैक्टर ट्राली न केवल जब्त की जाएंगी बल्कि कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी।

प्रदेश के सभी मुख्यालयों में दसवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का काउंटडाउन कार्यक्रम आयोजित हुआ

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भारत सरकार द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में इस वर्ष की थीम स्वयं एवं समाज के लिए योग निर्धारित की गई है। इस तारतम्य में आयुष विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के प्रति जागरूकता लाने के लिए शुक्रवार सुबह प्रदेश भर में एक साथ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के काउंटडाउन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समस्त मुख्यालयों में एक साथ आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के काउंटडाउन कार्यक्रम में समाज के प्रत्येक आयुवर्ग के लगभग 15 हजार से अधिक प्रतिभागियों ने सहभागिता की। उल्लेखनीय है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा में 11 दिसम्बर 2014 को सर्वसम्मति से योग की महत्ता को स्वीकार करते हुए हर वर्ष 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर योग दिवस मनाने के लिये प्रस्ताव पारित हुआ।

इसके अनुपालन में इस वर्ष भी 21 जून, शुक्रवार को दसवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का संपूर्ण प्रदेश में बृहद रूप से आयोजित होगा। इसका उद्देश्य योग के आध्यात्मिक लाभों के बारे में जागरूकता लाना और योग के माध्यम से स्वयं एवं समाज के शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य की रक्षा कर उनका सशक्तिकरण किया जाना है। वैश्विक स्तर पर भारत की ब्रांडिंग कर, संपूर्ण विश्व में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की भागीदारी सुनिश्चित करना है।

एक ही परिसर में एक से अधिक बिजली कनेक्शन की सुविधा उपलब्ध

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्य शासन के निर्णयानुसार मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा अब उपभोक्ताओं को एक ही परिसर में पृथक-पृथक रहने पर एक से अधिक बिजली कनेक्शन प्रदान करने की सुविधा कुछ शर्तों के आधार पर कराई जा रही है। कंपनी ने कहा है कि ऐसे आवेदक जो एक ही परिसर में निवास कर रहे हैं लेकिन अलग-अलग रहते हैं, तो उनके द्वारा अलग बिजली कनेक्शन का आवेदन करने पर उन्हें नवीन कनेक्शन प्रदान किया जाएगा। गौरतलब है कि ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने विगत दिवस समीक्षा बैठक में इस संबंध में कार्यवाही के निर्देश दिये थे। कंपनी ने कहा है की मूल विद्युत कनेक्शन के अधीन परिवार के द्वारा पृथक कनेक्शन चाहे जाने पर मूल कनेक्शन परिवार के मुखिया के नाम करवाने हेतु यथा आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। हालांकि इन शर्तों को ध्यान में रखते हुए कंपनी ने एक ही परिसर में पृथक स्वतंत्र घरेलू कनेक्शन दिए जाने में आ रही कठिनाई के निराकरण हेतु सभी क्षेत्रीय मुख्यालयों यथा भोपाल, ग्वालियर, इंदौर, उज्जैन, सागर, जबलपुर, शहडोल एवं रीवा में पायलट प्रोजेक्ट के अंतर्गत यह सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इसके अंतर्गत एक ही परिसर में निवासरत पृथक-पृथक परिवारों को कुछ शर्तों के साथ स्वतंत्र घरेलू कनेक्शन दिए जाने के निर्देश जारी किए हैं। ऊर्जा विभाग ने निर्णय लिया है कि ऐसे आवेदक जहां मूल परिसर पर विद्युत चोरी के प्रकरण लंबित है, ऐसे आवेदनों पर कार्यवाही नहीं की जायेगी। प्राप्त आवेदनों में मूल परिसर पर बकाया राशि होने की स्थिति में मूल परिसर पर बकाया राशि का भुगतान समानुपातिक रूप से किया जाएगा।

पावर जनरेटिंग कंपनी की ताप विद्युत उत्पादन इकाइयों द्वारा ऐतिहासिक 28627 मिलियन विद्युत उत्पादन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के ताप विद्युत गृहों द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-24 में अब तक का सर्वाधिक 28627 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन कर नया रिकार्ड बनाया गया है। यह पावर जनरेटिंग कंपनी के इतिहास का सर्वाधिक ताप विद्युत उत्पादन है। ताप विद्युत गृहों द्वारा विभिन्न मापदंडों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया गया। ताप विद्युत गृहों का इस दौरान प्लांट लोड फेक्टर (पीएलएफ) 60.3 प्रतिशत रहा, जो वर्ष 2019-20 के पश्चात् सर्वाधिक है। ताप विद्युत गृहों का 7.12 फीसदी ऑक्जलरी कंजम्पशन, अब तक का सबसे कम वार्षिक कंजम्पशन रहा। ताप विद्युत गृहों की कुल विशिष्ट तेल खपत 0.60 मिलीलीटर प्रति यूनिट रही, जो पावर जनरेटिंग कंपनी की अब तक की सबसे कम वार्षिक विशिष्ट तेल खपत है। वित्तीय वर्ष के दौरान कंपनी की थर्मल पावर यूनिट्स का हीट रेट 2415 किलो कैलोरी प्रति इकाई रहा, जो अब तक का न्यूनतम है। वित्तीय वर्ष 23-24 के दौरान 13 थर्मल इकाइयों ने लगातार 100 दिनों एवं अधिक सतत् व निर्बाध विद्युत उत्पादन किया, जिनमें से दो इकाइयों ने 200 दिनों से अधिक समय तक विद्युत उत्पादन किया। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, अपर मुख्य सचिव ऊर्जा श्री मनु श्रीवास्तव एवं मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के प्रबंध संचालक श्री मनजीत सिंह ने ताप विद्युत गृहों के अभियंताओं और कार्मिकों को इन स्वर्णिम उपलब्धियों पर हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी है। अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई (एटीपीएस) की 210 मेगावाट क्षमता की यूनिट नंबर 5 का उत्पादन 1804 मिलियन यूनिट और पीएलएफ 97.8 प्रतिशत रहा। यह यूनिट 9 सितंबर 2009 को कमीशन हुई थी और कमीशनिंग के पश्चात् यूनिट का यह सर्वाधिक विद्युत उत्पादन और पीएलएफ है। इस यूनिट का प्लांट अवेलेबिलिटी फेक्टर 99.4 फीसदी तथा विशिष्ट तेल खपत 0.10 मिली लीटर प्रति यूनिट रही। यह भी कमीशनिंग के बाद न्यूनतम है। इसी प्रकार इस यूनिट का हीट रेट 2333 किलो कैलोरी प्रति किलोवाट घंटा रहा। यूनिट नंबर पांच 27 अगस्त 2023 से सतत् एवं निर्बाध विद्युत उत्पादन कर रही है।

वेंडर्स अगर सामान बेचने के लिये बच्चे का इस्तेमाल करते हैं, तो एफआईआर करायें

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष श्री प्रियंक कानूनगो ने शुक्रवार को मंत्रालय में बाल अधिकारों के लिये बनाये गये कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन के मद्देनजर विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा की। श्री कानूनगो ने कहा कि प्रायः हर चौराहे पर यह देखा जाता है कि छोटे बच्चे विभिन्न प्रकार की सामग्री बेच रहे हैं। इस पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिये। उन्होंने कहा कि वेंडर्स अगर सामान बेचने के लिये बच्चों का इस्तेमाल करते हैं, तो एफआईआर करायें। श्री कानूनगो ने कहा कि प्रायः देखा गया है कि विभिन्न चौराहों पर छोटे बच्चों से भिक्षावृत्ति कराई जा रही है। सामाजिक परिस्थितियों, आर्थिक अभाव एवं संसाधनों की कमी के कारण अनेक परिवारों के बच्चे विभिन्न अपराधों में लिप्त पाये जाते हैं। सड़क पर रहने वाले बच्चों का चिन्हांकन और अभिलेखीकरण कर बच्चों की देखभाल और सुरक्षा तथा बच्चों को मुख्य धारा से जोड़कर उनके सर्वांगीण विकास का प्रावधान है। श्री कानूनगो ने कहा कि ऐसे बच्चों, जिनकी आयु 6 वर्ष से कम हो, को पोषण एवं शिक्षा के लिये नजदीकी आँगनवाड़ियों में प्रवेश कराया जाये। स्वास्थ्य जाँच, परामर्श, चिकित्सा उपचार के लिये आयुष्मान योजना से जोड़ने की कार्यवाही स्वास्थ्य विभाग द्वारा की जाये। साथ ही परिवार के सदस्यों को रोजगार एवं लघु उद्योग से जोड़ने में सहायता प्रदान की जाये। श्री कानूनगो ने बाल कल्याण समिति एवं किशोर न्याय बोर्ड के रिक्त पदों की पूर्ति के लिये पूल बनाने का सुझाव दिया। उन्होंने बाल आशीर्वाद योजना के तहत ऑफ्टर केयर के बच्चों को मेडिकल इन्टरेंस की भी निःशुल्क कोचिंग कराई जाने की बात कही।

आउटफील्ड गीली होने के कारण अमेरिका आयरलैंड मैच के टॉस में देरी

लॉडरहिल (एजेंसी)। अमेरिका और आयरलैंड के बीच शुक्रवार को यहां टी20 विश्व कप ग्रुप ए के अहम मैच में आउटफील्ड गीली होने के कारण टॉस में विलंब होगा। पाकिस्तान इस मैच पर नजर रख रहा है क्योंकि अमेरिका की हार उसे सुपर आठ चरण में जगह बनाने की दौड़ में बनाए रखेगी। इस मैच में अगर अमेरिका हार जाता है तो पाकिस्तान अपने आखिरी मैच को बड़े अंतर से जीतकर सुपर आठ में पहुंचने की कोशिश करेगा। अमेरिका तीन मैचों में चार अंकों के साथ अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है और अगर आयरलैंड के खिलाफ मैच बारिश की भेंट चढ़ा तो वह सुपर आठ में पहुंच जायेगा। इस स्थिति में यह पहली बार होगा जब कोई टीम विश्व कप के अपने पहले प्रयास (2007 विश्व कप छोड़कर) में सुपर आठ में पहुंचेगी। आयरलैंड दो मैचों में दो हार के साथ तालिका में सबसे नीचे है। पाकिस्तान तीन मैचों में एक जीत के साथ तीसरे स्थान पर है, जबकि भारत तीन मैचों में सभी जीत के रिकॉर्ड के साथ ग्रुप तालिका में शीर्ष पर है। मैच शुरू होने की संभावना कम है क्योंकि लाउडरहिल फ्लोरिडा का हिस्सा है जो उष्णकटिबंधीय तूफान की चपेट में है। इससे बारिश और बाढ़ का खतरा है।

टी20 में छाया बड़ा भाई , छोटा भाई रहा फ्लाप

न्यूयार्क (एजेंसी)। अमेरिका और वेस्टइंडीज में खेले जा रहे टी20 विश्वकप क्रिकेट में युगांडा के दो भाई रॉजर मुकासा और फ्रेंक सुबुगा भी खेल रहे हैं। इसमें एक भाई जहां अपने प्रदर्शन से छाया हुआ है। वहीं एक भाई आलोचना शिकार हो रहा है। युगांडा टीम ने अब अपने तीन मैचों में से एक में जीत हासिल की है। इस दौरान बड़े भाई फ्रेंक ने अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है जबकि छोटे भाई रॉजर का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है। युगांडा को अपने मैचों में अफगानिस्?तान और वेस्टइंडीज से करारी हार जबकि पापुआ न्यू गिनी पर जीत मिली है। टीम के प्रमुख बल्लेबाज रॉजर इस टूर्नामेंट में तीनों ही मैचों में शून्य पर आउट हुए हैं। इस दौरान उन्होंने 6 गेंदें खेली हैं। रॉजर युगांडा की ओर से कभी पारी की शुरुआत करते हैं तो कभी तीसरे नंबर पर उतरते हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ पहले मैच में वह पहली ही गेंद पर आउट हो गये। अपनी पहली ही गेंद पर वह फजलहक फारुकी की गेंद पर आउट हुए। पापुआ न्यू गिनी के खिलाफ मैच में भी वह पारी शुरु करते हुए तीन गेंद और तीसरे मैच में वेस्टइंडीज के खिलाफ दो गेंद ही खेल पाये।इन दोनों पारियों में भी वह रन नहीं बना पाये। तीनों ही बार वह एलबीडब्ल्यू हुए। टी20 वर्ल्डकप 2024 में वह इस समय सबसे अधिक बार 0 पर आउट होने वाले बल्लेबाज हैं। उनके अलावा कोई अन्य इस टूर्नामेंट में तीन बार शून्य पर आउट नहीं हुआ है। वहीं उनके बड़े भाई फ्रेंक अपने प्रदर्शन से सभी की वाहवाही लूटी है। 43 साल के ऑफब्रेक गेंदबाज फ्रेंक के नाम एक पारी का सबसे किफायती बॉलिंग विश्लेषण दर्ज हुआ है। पापुआ न्यू गिनी के खिलाफ मैच में उन्होंने 4 ओवर में दो मेडन रखते हुए 4 रन देकर दो विकेट (इकोनॉमी 1.00) लिए थे। यही नहीं इस टूर्नामेंट में दो ओवर मेडन फेंकने वाले वह इकलौते गेंदबाज हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ मैच में सुबुगा प्लेइंग इलेवन का हिस्सा नहीं थे।

इंटर मियामी छोड़कर , किसी अन्य क्लब से जुड़ने का इरादा नहीं- मेसी

न्यूयार्क (एजेंसी)। अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने कहा है कि वह इंटर मियामी क्लब में ही रहेंगे और उनकी किसी अन्य क्लब से खेलने की योजना नहीं है। मेसी अभी अमेरिका में कोपा अमेरिका कप की तैयारियों में लगे हैं। मेसी के अनुसार वह अर्जेंटीना के किसी क्लब से जुड़कर खेल को अलविदा कहने का कोई इरादा नहीं रख रहे है और इंटर मियामी में रहते ही उनका करियर समाप्त होगा। उन्होंने कहा,''मुझे लगता है कि इंटर मियामी मेरा अंतिम क्लब होगा। आज की तारीख में मैं यही सोचता हूं कि यह मेरा अंतिम क्लब होने जा रहा है।'' वहीं कुछ लोगों का अंदाज था कि मेसी अपने पहले क्लब न्यूवेल्स ओल्ड बॉयज़ से जुड़ सकते हैं। अर्जेंटीना ने पिछली बार कोपा अमेरिका कप जीता थाहै। मेसी की कप्तानी में ही अर्जेंटीना ने साल 2022 में विश्व कप भी जीता था। मेसी का इंटर मियामी के साथ अनुबंध 2025 के सत्र तक ही है। उन्होंने कहा,''यूरोप से यहां आने का फैसला कठिन था। इससे मुझे विश्व चैंपियन बनने और चीजों को अलग तरह से देखने का मौका भी मिला हालांकि में इस बारे में अधिक नहीं सोचता। मैं खेल का आनंद लेने का प्रयास करता हूं।''

कनाडा के खिलाफ टीम इंडिया में होंगे 2 बदलाव! इन खिलाड़ियों को मिल सकता है आराम

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2024 के 34वें मुकाबले में शनिवार को भारतीय टीम का सामना कनाडा से होगा। ये मैच फ्लोरिडा के सेंट्रल ब्रोवार्ड रीजनल पार्क स्टेडियम टर्फ ग्राउंड में खेला जाएगा। ग्रुप स्टेज में दोनों ही टीमों का ये आखिरी मुकाबला है। भारतीय टीम पहले ही सुपर 8 का टिकट कटा चुकी है। दूसरी ओर कनाडा को अगर अगले दौर में जाना है तो उन्हें ये मैच जीतने के साथ ही किस्मत का भी साथ चाहिए होगा। इस मैच में भारत की प्लेइंग 11 में कुछ बदलाव किए जा सकते हैं। भारतीय टीम ने अपने पहले 3 मुकाबलों में जीत दर्ज की है। ऐसे में टीम कुछ खिलाड़ियों को आराम दे सकती है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का अब तक प्रदर्शन बेहतरीन रहा है। ऐसे में रोहित शर्मा बुमराह को आराम दे सकते हैं।

भारतीय तेज गेंदबाज का सुपर 8 में फिट रहना बेहद जरूरी है। बुमराह की जगह टीम इंडिया एक और अतिरिक्त स्पिनर के साथ मैदान में उतर सकती है। चाइनामैन यानी कुलदीप यादव को मौका मिल सकता है। इसके अलावा ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को भी आराम दिया जा सकता है। उनकी जगह टीम संजू सैमसन को अंतिम 11 में मौका मिल सकता है। वहीं टीम के सलामी बल्लेबाज विराट कोहली की फॉर्म चिंता का विषय है। कोहली ने अभी तक खेले गए मुकाबलों में कुल 5 रन बनाए हैं। ऐसे में कनाडा के खिलाफ टीम चाहेगी की वह फॉर्म में वापसी करे। रोहित शर्मा भी महज 1 मैच में अर्धशतक बना पाए थे, 2 मुकाबलों में उनका बल्ला खामोश ही रहा है। ऐसे में सुपर 8 से पहले हिटमैन के पास भी बड़ी पारी खेलने का मौका है।

इंग्लैंड का 1 मैच में ही बढ़ा +3.081 हुआ नेट रनरेट, 19 गेंद में जीत दर्ज कर रचा इतिहास

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड की टीम ने गुरुवार को ओमान के खिलाफ बड़ी जीत हासिल करके टी20 वर्ल्ड कप 2024 के सुपर-8 की उम्मीदों बनाए रखा। ओमान के खिलाफ इंग्लैंड की ये जीत कितनी बड़ी थी इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इस मैच के बाद इंग्लैंड नेट रनरेट -1.800 से बढ़कर +3.081 हो गया है। ओमान की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 47 रन बनाए। इंग्लैंड ने ये लक्ष्य 3.1 ओवर यानी केवल 19 गेंदों में हासिल कर लिया। इंग्लैंड की टीम ने 101 गेंद रहते हुए 48 रन का लक्ष्य हासिल किया। ये टी20 वर्ल्ड कप में बची हुई गेंद के लिहाज से सबसे

बड़ी जीत है। इससे पहले साल 2014 में श्रीलंका ने नीदरलैंड्स के खिलाफ 90 गेंद पहले जीत हासिल कर ली थी। उन्होंने 40 रन का लक्ष्य 5 ओवर में हासिल किया था। वहीं 101 गेंद पहले हासिल की गई ये जीत टी20 अंतरराष्ट्रीय पांचवीं सबसे बड़ी जीत है। इंग्लैंड के खिलाफ ओमान का 47 रन का स्कोर टी20 वर्ल्ड कप में चौथा सबसे छोटा स्कोर है। इस मामले में सबसे आगे श्रीलंका ही है। उन्होंने 2014 में नीदरलैंड्स को 39 के स्कोर पर ऑलआउट कर दिया था। वहीं इसी हफ्ते वेस्टइंडीज ने यूगांडा को भी 39 के कुल स्कोर पर ऑलआउट किया था। इंग्लैंड के खिलाफ 47 रन का स्कोर टी20 में उनके खिलाफ दूसरा सबसे छोटा स्कोर है। इससे पहले साल 2019 में वेस्टइंडीज उनके खिलाफ 45 रन के स्कोर पर ऑलआउट हो गई थी। वहीं ये स्कोर ओमान का टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे छोटा स्कोर है। इससे पहले साल 2022 में वह नेपाल के खिलाफ 8 रन के स्कोर पर ऑलआउट हो गई थी।

प्रणय की हार से ऑस्ट्रेलियन में भारतीय चुनौती समाप्त

सिडनी (एजेंसी)। भारत के शीर्ष रैंकिंग वाले एकल खिलाड़ी एचएस प्रणय अपने से ऊंची रैंकिंग वाले जापान के कोडाई नाराओका से 19-21, 13-21 से हार गए जिससे शुक्रवार को यहां देश का कोई भी शटलर ऑस्ट्रेलियन ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल से आगे बढ़ने में सफल नहीं रहा। विश्व रैंकिंग में 10वें स्थान पर काबिज प्रणय की हार से पहले पुरुष एकल वर्ग में समीर वर्मा और महिला एकल में आकर्षि कश्यप (महिला) के अलावा सिक्की रेड्डी एवं बी सुमित रेड्डी की मिश्रित जोड़ी को अंतिम आठ में हार का सामना करना पड़ा। प्रणय ने शुरुआती गेम में 10-16 से पिछड़ने के बाद अच्छी वापसी करते हुए स्कोर को 18-18 किया लेकिन इसके बाद लय बरकरार नहीं रख सके। नाराओका ने दूसरे गेम में 5-5 की बराबरी के बाद अपना दबदबा बनाना शुरू किया और फिर भारतीय खिलाड़ी को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। विश्व रैंकिंग के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी लोह किन यू को हराकर उलटफेर करने वाले समीर चीनी ताइपे के लिन चुन यी के खिलाफ दमखम नहीं दिखा सके। रैंकिंग में 17वें स्थान पर काबिज खिलाड़ी ने उन्हें महज 38 मिनट में 21-12, 21-13 से हराया। मिश्रित युगल में सुमित और सिक्की की आठवीं वरीयता प्राप्त पति-पत्नी जोड़ी को भी जियान जेन बैंग और वेई या शिन की शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी से शिकस्त मिली। बैंग और शिन ने 21-12, 21-14 से आसान जीत दर्ज की। आठवीं वरीयता प्राप्त आकर्षि 42 मिनट तक चले महिला एकल मुकाबले में चीनी ताइपे की यू पो पाई से 21-17, 21-12 से हार गईं।

भारतीय टीम के ग्रुप मैचों के बाद रिजर्व खिलाड़ी गील और आवेश टीम से होंगे 'रिलीज'

नई दिल्ली (एजेंसी)। फोर्ट लाउडरहिल (फ्लोरिडा) । रिजर्व सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल और तेज गेंदबाज आवेश खान को शनिवार को यहां आयरलैंड के खिलाफ टीम के अंतिम टी20 विश्व कप ग्रुप चरण मैच के बाद भारतीय टीम से 'रिलीज' कर दिया जायेगा। यह समझा जाता है कि टीम प्रबंधन सुपर आठ चरण में चार स्टैंडबाय (वैकल्पिक खिलाड़ी) को ले जाने की जरूरत नहीं समझ रहा है। ऐसे में इसलिए केवल रिंकू सिंह और बाएं हाथ के तेज मध्यम खलील अहमद कैरेबियाई चरण के दौरान टीम के साथ होंगे।

इस घटनाक्रम की जानकारी रखने वाले बीसीसीआई के एक वरिष्ठ सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''शुभमन और आवेश को केवल अमेरिका में ग्रुप लीग चरण तक ही

रुकना था। यह पहले से तय था। इसलिए आयरलैंड के खिलाफ मैच के बाद, उन्हें टीम से 'रिलीज' (टीम से अलग होना) कर दिया जाएगा।'' गिल और आवेश को टीम से अलग करने का तर्क बहुत सीधा है। कप्तान रोहित शर्मा या स्टार बल्लेबाज विराट कोहली अगर चोटिल होते है तो टीम के पास यशस्वी जायसवाल का विकल्प है, ऐसे में चौथे सलामी बल्लेबाज की जरूरत नहीं है। गिल ने न्यूयॉर्क में ज्यादा बल्लेबाजी अभ्यास भी नहीं किया जबकि रिंकू ने नेट सत्र में काफी समय दिया। रिंकू के पास मध्यक्रम में किसी भी खिलाड़ी की जगह लेने की क्षमता है। टीम प्रबंधन का मानना है कि तीन तेज गेंदबाज के साथ हार्दिक पंड्या और दुबे की मौजूदगी के कारण आवेश की जरूरत नहीं है और ऐसी किसी स्थिति से निपटने के लिए खलील का विकल्प मौजूद रहेगा।

ब्रैड हॉग ने बताया सुपर 8 में भारत और ऑस्ट्रेलिया मुकाबले में किसका पलड़ा भारी?

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के बाएं हाथ के पूर्व स्पिनर ब्रैड हॉग को उम्मीद है कि टी20 वर्ल्ड कप का फाइनल मुकाबला भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला जाएगा क्योंकि दोनों टीमें सुपर 8 के लिए क्वालिफाई कर चुकी हैं। भारत ने अपने पहले तीन मैच जीतकर सुपर 8 में जगह बनाई थी तो वहीं ऑस्ट्रेलिया ने नामीबिया को हराकर सुपर 8 में अपनी जगह पक्की की। अब सुपर 8 मुकाबले में 24 जून को भारत और ऑस्ट्रेलिया का सामना डैरेन सैमी नेशनल क्रिकेट स्टेडियम, ग्रोस आइलेट, सेंट लूसिया में होगा। भारत और ऑस्ट्रेलिया को सुपर 8 के ग्रुप 1 में अफगानिस्तान और बांग्लादेश या नेपाल में से किसी एक से साथ रखा जाएगा। इस वर्ल्ड कप में सुपर 8 मुकाबले से पहले हॉग ने भविष्यवाणी की दोनों टीमें अपने ग्रुप में टॉप दो पर रहेंगी और सेमीफाइनल के लिए क्वॉलीफाई करेंगी और फिर फाइनल में भिड़ेंगी। हॉग ने स्टार स्पोर्ट्स पर कहा कि सुपर 8 में भारत और कंगारू टीम के सामने बांग्लादेश और अफगानिस्तान है और आप उम्मीद कर कते हैं कि दोनों टीमें इन्हें हराकर सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी और उम्मीद है ऐसा होगा। इससे भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच ग्रैंड

फाइनल की संभावना बनती है जो मैं बिल्कुल चाहूंगा। हॉग ने आगे कहा कि, सुपर 8 में ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच जो मुकाबला खेला जाएगा वो मैच कंगारू टीम के पक्ष में रह सकता है क्योंकि वो वेस्टइंडीज में खेल रहे हैं जहां पिच धीमा रहा है। वहीं भारत न्यूयॉर्क में खेल रहा है और वहां की पिच पर सीम मूवमेंट है और बल्लेबाजी अपनी लय हासिल नहीं कर पाए हैं और वो सीधे आईपीएल से आए थे जहां उन्होंने अपने सारे मैच सपाट विकेटों पर खेले थे। मुझे लगता है कि बदलते कंडीशन में सुपर 8 में भारत के लिए काफी मुश्किलें आने वाली है, लेकिन जब वो फाइनल में पहुंचेंगे तो ये एक अलग कहानी होगी।

नामीबिया के खिलाफ बड़ी जीत के इरादे से उतरेगी इंग्लैंड

नॉर्थ साउंड (एजेंसी)। टी20 विश्वकप में शनिवार को इंग्लैंड की टीम नामीबिया के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज कर सुपर आठ के लिए अपनी संभावनाएं मजबूत करने के इरादे से उतरेगी। पिछले मैच में ओमान के खिलाफ बड़ी जीत से उसका नेट रन रेट बेहतर हुआ है जिससे अब वह बनाये रखना चाहेगी। स्कॉटलैंड के खिलाफ बारिश के कारण मैच नहीं होने और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मिली हार से उसके लिए सुपर आठ का सफर कठिन हुआ है हालांकि

ओमान को महज 47 रन पर समेटने के बाद इंग्लैंड की संभावनाएं बढी हैं। उसने इस मैच में रिकॉर्ड 101 गेंद के अंतर से जीत दर्ज की। इस परिणाम से इंग्लैंड का नेट रन रेट काफी अच्छा हो गया जो ग्रुप बी में उनके और स्कॉटलैंड के बीच महत्वपूर्ण अंतर है। इंग्लैंड का नेट रन रेट -1.8 से +3.08 हो गया जबकि स्कॉटलैंड का नेट रन रेट +2.16 है। सबसे अहम बात है कि स्कॉटलैंड के अभी पांच अंक हैं जबकि इंग्लैंड के तीन अंक। इससे दो बार की पूर्व चैम्पियन इंग्लैंड को नामीबिया को हराकर स्कॉटलैंड की बराबरी पर पहुंचने की जरूरत होगी और इसके साथ ही उसे यह भी उम्मीद करनी होगी कि स्कॉटलैंड की टीम ऑस्ट्रेलिया से हार जाये। इस स्थिति में इंग्लैंड बेहतर नेट रन रेट की बदौलत सुपर आठ के लिए क्वालीफाई करेगा पर अगर स्कॉटलैंड ऑस्ट्रेलिया को हरा देता है या फिर मैच बारिश के कारण नहीं हो पता है तो इंग्लैंड बाहर हो जायेगी। इंग्लैंड के कप्तान स्टोक्स ओमान पर बड़ी जीत के बाद आत्मविश्वास से भरे थे, उन्होंने कहा, 'हम जानते हैं कि ड्रेसिंग रूम में क्या चल रहा है। हमारे खिलाड़ी आत्मविश्वास से भरे हैं और हमें आगे एक और बड़ा मैच खेलना है। सर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम की पिच पर गेंद उछाल और टर्न ले रही है। इंग्लैंड के गेंदबाज ने ओमान के खिलाफ हालातों का फायदा उठाकर तीन तीन विकेट हासिल किये तथा ओमान को टी20 अंतरराष्ट्रीय में उसके सबसे कम स्कोर 47

रन पर समेट दिया था। स्टोक्स उम्मीद करेंगे कि उनके गेंदबाज ऐसा ही नामीबिया के खिलाफ भी करें। इसके लिए हालांकि उन्हें टॉस जीतना होगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं =

इंग्लैंड = जोस बटलर (कप्तान), मोइन अली, जोफ्रा आर्चर, जोनाथन बेयरस्टो, हैरी ब्रूक, सैम करन, बेन डकेट, टॉम हार्टले, विल जैक्स, क्रिस जॉर्डन, लियाम लिविंगस्टोन, आदिल राशिद, फिल साल्ट, रीस टॉप्ले और मार्क वुड।

नामीबिया = गेरहार्ड इरास्मस (कप्तान), जेन ग्रीन, माइकल वैन लिंगेन, डायलन लीचर, रूबेन ट्रम्पेलमैन, जैक ब्रासेल, बेन शिकोंगो, टैंगेनी लुंगामेनी, निको डेविन, जेजे स्मिट, जान फ्राइलिनक, जेपी कोट्ज़, डेविड विसे, बर्नार्ड स्कोल्ट्ज, मालन क्रूगर और पीडी ब्लिगनॉट।

नाबालिग से गैंग रेप के दो और आरोपी गिरफ्तार

रेलवे स्टेशन से ले जाकर पीड़िता के साथ घटना को दिया था अंजाम

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। सतना रेलवे स्टेशन से ले जाई गई नाबालिग के साथ हुए गैंग रेप के मामले में सतना जीआरपी ने 2 और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में पकड़े गए आरोपियों की संख्या अब बढ़कर 4 हो गई है।डीएसपी रेल सारिका पांडेय ने बताया कि सीधी निवासी नाबालिग के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म के मामले में दो और आरोपियों रामा गोविंद कुशवाहा पिता राम विश्वास (26) निवासी ग्राम जैतवारा पोस्ट आमा सिंहपुर एवं दीपक रजक पिता इंदलाल रजक (25) निवासी शुक्ला बरदाडीह भरजुना रोड सतना को गिरफ्तार किया गया है। दोनों आरोपियों के कब्जे से दो बाइकें जब्त की गई हैं। इस मामले मे आरोपी नितिन गुप्ता उर्फ नवीन

उर्फ प्रकांत एवं राजकिशोर डोहर को पहले ही जेल भेजा जा चुका है।

डीएसपी सारिका पांडेय ने बताया कि गैंग रेप के इस मामले की जांच के दौरान स्टेशन परिसर और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के अलावा शराब दुकान के फुटेज भी खंगाले गए थे। इस फुटेज में पीड़िता दो युवकों के साथ देखी गई थी। उन दोनों युवकों की पहचान रामागोविंद कुशवाहा और दीपक रजक के रूप में हुई थी। जीआरपी की टीम ने तलाश कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

इस कार्रवाई में कटनी जीआरपी टीआई अरुणा वाहने, सतना चौकी प्रभारी राजेश राज, सब इंस्पेक्टर एलपी कश्यप, एएसआई आरएस शुक्ला, हेड कांस्टेबल अशोक तिवारी, दयाचंद तिवारी, आरक्षक प्रशांत यादव, अरुण, कमलेश, धर्मेंद्र गुप्ता, अमित, धर्मेंद्र राजभर, अनुज कुमार, महिला आरक्षक खुशबू सिंह, प्रिया सिंह, सुमन , जबलपुर के प्रधान आरक्षक सागर उपाध्याय एवं रवि मांझी शामिल रहे।

बाइपास मोड़ पर ढाबे में घुसा बेकाबू बल्कर

कारें-बाइक क्षतिग्रस्त, स्मार्ट सिटी का पोल भी तोड़ा

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। सतना-रीवा हाईवे पर बाइपास मोड़ के पास गुरुवार को देर रात एक तेज रफ्तार बल्कर के बेकाबू होकर ढाबे में जा घुसा। इस हादसे में कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए जबकि स्मार्ट सिटी का पोल भी डैमेज हो गया। हालांकि कोई जनहानि नहीं हुई।

जानकारी के मुताबिक, गुरुवार को देर रात कोलगवां थाना क्षेत्र में बाइपास मोड़ पर तेज रफ्तार बल्कर (एमपी19 एचए 5320) बेकाबू होकर कारगिल ढाबा में जा घुसा। ढाबा रात भर खुला रहता है लिहाजा उस वक्त वहां कई ट्रक, चार पहिया और दो पहिया वाहन भी खड़े थे।

बल्कर ट्रांसपोर्ट नगर से रीवा की तरफ जा रहा था। बाइपास मोड़ पर ड्राइवर ने संतुलन खो दिया जिसके कारण बल्कर बहक कर ढाबे की तरफदौड़ पड़ा और

स्मार्ट सिटी के सीसीटीवी पोल को तोड़ते हुए उसने वहां खड़ी दो कारों और दो बाइकों को अपनी चपेट में ले लिया।

यह इत्तेफाक ही था कि बल्कर पोल और वाहनों को रौंदने के बाद रुक गया वरना बड़ा हादसा हो सकता था, क्योंकि उस वक्त वहां बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। आनन-फानन में पुलिस भी मौके पर पहुंची। बल्कर ड्राइवर अरुणेंद्र सिंह को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। बल्कर भी जब्त कर लिया गया है।

सहिजना उबारी में कैथा नदी से हटाया गया जमा मलबा

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। जल गंगा संवर्धन अभियान तहत जिले में जनपद पंचायतों के विभिन्न ग्रामों में अभियान के दौरान जल संरक्षण, बावड़ी तालाबों स्टॉप डैम, कपिलधारा कूप, तालाब, सामुदायिक तालाब, चेकडेम, नदियों सहित अन्य जल स्त्रोतों के संरक्षण के लिये गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है। अभियान अंतर्गत अंतर्गत ग्राम पंचायत सहिजना उबारी के कैथा में नदी केपुर्नजीवन एवं संरक्षरण के लिये वृहद्व स्तर पर नदी से गाद निकासी का कार्य जनभागीदारी एवं ग्रामीण जनो के सहयोग से किया गया। अभियान के तहत गाद निकासी के साथ ही जल भराव के लिये जीर्णशीर्ण हो चुके स्टाप डेम का मरम्मत, घाट मरम्मत एवं घाटो की सफाई पुताई का कार्य भी किया जा रहा है। नदी की सफाई

में ग्रामीणजनों द्वारा मशीनरी एवं श्रम के रूप में जनभागीदारी करते हुये सहयोग किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि जिले के सभी विकासखण्डों में तालाब, बावड़ी गहरीकरण, नदी, नालों और ऐतिहासिक एवं पारम्परिक जल संरचनाओं के संरक्षण, पुनर्जीवन के लिए सम्पूर्ण जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाकर आवश्यक निर्माण कार्य और सफाई का कार्य कराया जा रहा है। अभियान की गतिविधियां संचालित करते हुये आमजनों एवं स्वयंसेवी संस्थाओं से सहभागिता निभाने का आग्रह भी किया जा रहा है।

मुकुंदपुर टाइगर सफारी का होगा विस्तार

उप मुख्यमंत्री ने मास्टर प्लान को शासन स्तर से स्वीकृत कराने के दिये निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। महाराजा मार्तण्ड सिंह व्हाइट टाइगर सफारी एवं रेसक्यू सेंटर का विस्तार किया जायेगा। टाइगर सफारी के द्वितीय चरण के विस्तार में नई सफारी स्थापित की जायेगी, जिसमें येलो टाइगर, लायन एवं जेब्रा प्रजाति के जानवरों की सफारी होगी। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने वन विभाग के अधिकारियों को टाइगर सफारी के विस्तारीकरण के लिये आगामी 20 वर्ष की प्लानिंग कर मास्टर प्लान तैयार करने और शासन स्तर से स्वीकृत कराने, प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिये। जयंती कुंज रीवा के रेस्ट हाउस में वन विभाग के अधिकारियों की बैठक में उप मुख्यमंत्री ने मुकुंदपुर व्हाइट टाइगर सफारी के द्वितीय चरण के विस्तार कार्य की जानकारी ली तथा बनाये जाने

वाले सफारी व जू के के प्रस्तावित कार्ययोजना का अवलोकन किया।

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मुकुंदपुर व्हाइट टाइगर सफारी को बनारस से खजुराहों पर्यटन मार्ग में शामिल कराने के निर्देश दिये, ताकि इस मार्ग के पर्यटक सफारी का भी भ्रमण करें। शुक्ल ने व्हाइट टाइगर सफारी के संचालन एवं बाड़ों के निर्माण के संबंध में अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। इस दौरान मुख्य वन संरक्षक राजेश राय, डीएफओ सतना विपिन पटेल, डीएफओ रीवा अनुपम शर्मा सहित वन विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। उप मुख्यमंत्री ने सतना जिले के बगदरा घाटी में डीएमएफ मद से बनायी जा रही गौशाला में पानी सहित चारा भूसा आदि की व्यवस्था सुनिश्चित रखने के निर्देश वन विभाग के अधिकारियों को दिये।

सभी स्कूलों में 18 से 20 जून तक मनाया जाएगा प्रवेशोत्सव

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। शाला जाने योग्य प्रत्येक बच्चे का शाला में प्रवेश सुनिश्चित करने के लिए स्कूल चलें हम अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत जिले के सभी स्कूलों में 18 से 20 जून तक तीन दिवसीय प्रवेशोत्सव मनाया जाएगा। इस संबंध में शासन द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार 18 जून को प्रवेशोत्सव के प्रथम दिन स्कूल आने वाले विद्यार्थियों तथा उनके अभिभावकों का स्वागत किया जाएगा। साथ ही शाला त्यागी बच्चों की पहचान कर उनका प्रवेश सुनिश्चित किया जाएगा। प्रवेशोत्सव के प्रथम दिवस सभी शालाओं में विशेष भोज भी होगा।

सांसदगण, विधायकगण तथा अन्य जनप्रतिनिधि भी किसी एक शाला में प्रवेशोत्सव में शामिल होंगे। सभी प्राथमिक और माध्यमिक शालाओं में विशेष मध्यान्ह भोजन का आयोजन किया जाएगा। प्रवेशोत्सव के दूसरे दिन 19 जून को स्कूल में शिक्षकों द्वारा अभिभावक सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। विद्यार्थी के अभिभावकों से सुझाव लेकर कक्षावार तथा विषयवार शैक्षणिक कैलेण्डर तैयार किया जाएगा। राज्य शासन द्वारा अभिभावकों को संबोधित पत्र का वितरण किया जाएगा। इसी दिन शाला में प्रवेश ले चुके विद्यार्थियों को नि:शुल्क पाठ्य पुस्तक का वितरण कराया जाएगा। प्रवेशोत्सव के अंतिम दिन 20 जून को भविष्य से भेंट कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जिले के जनप्रतिनिधि विभिन्न क्षेत्रों के अग्रणी व्यक्ति, अधिकारी, समाजसेवी, खिलाड़ी, पत्रकार तथा गणमान्य नागरिक स्वयं द्वारा चुनी गई शाला में जाकर विद्यार्थियों को प्रेरक उद्बोधन देंगे। इन्हें शाला चयन के लिए ऑनलाइन लिंक की सुविधा उपलब्ध रहेगी। शाला में आमंत्रित व्यक्ति विद्यार्थियों को पठन-पाठन से संबंधित उपयोगी सामग्री भेंट भी कर सकते हैं। जिले के प्रथम तथा द्वितीय श्रेणी के अधिकारियों की किसी एक शाला में ड्यूटी लगाई जाएगी जिसमें उन्हें विद्यार्थियों को पढ़ाना होगा। तीन दिवसीय प्रवेशोत्सव का मुख्य उद्देश्य शाला जाने योग्य प्रत्येक बच्चे का शाला में प्रवेश सुनिश्चित करना है।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सतना संजना जैन ने प्रवेशोत्सव के पहले दिन 18 जून को विद्यालयों में मध्यान्ह भोजन में विशेष भोज आयोजित करने के संबंध में समस्त सीईओ जनपद पंचायत एवं विकासखंड स्त्रोत समन्वयकों को निर्देशित किया है।

सदगुरू नेत्र चिकित्सालय में विजन 20-20 की आयोजित हुई एक दिवसीय कार्यशाला

निदेशक एवं प्रशासक स्तर के लोगो ने किया इस कार्यशाला में प्रतिभाग

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट निप्र। संत रणछोड़दास जी महाराज द्वारा स्थापित अंतर्राष्ट्रीय ख्यातिलब्ध संस्थान सदगुरू नेत्र चिकित्सालय में विजन 20-20 की एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित हुई। जिसमे उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, एवं छत्तीसगढ़ के विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों के निदेशक एवं प्रशासक स्तर के लगभग 40 लोगो ने प्रतिभाग किया। जिसका मुख्य उद्देश्य नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र सारे छोटे बड़े संस्थान जो नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में लगातार काम कर रहे है सब एक साथ मिलकर काम करे और सब आपस में अपने अपने अनुभव साझा कर गुणवत्तापूर्ण कार्य करे। कार्यशाला का उद्घाटन श्री सदगुरू सेवा संघ ट्रस्ट के ट्रस्टी डा बी के जैन, विजन 20-20 के ट्रेजरर कुलदीप सिंह, प्रसो फाउंडेशन के प्रेसीडेंट जी वी एस मूर्ति, सेवा फाउंडेशन से ग्लोबल के ट्रेनर अरुण आचार्या, साइट सेवर के स्टेट प्रोग्राम लीड प्रमोद त्रिपाठी, विजन 20-20 इंडिया की प्रोग्राम मैनेजर कल्पना यादव, एवं

ट्रस्टी डा इलेश जैन एवं विभिन्न संस्थानों से कार्यशाला में प्रतिभाग करने वाले सभी प्रतिभागियों ने गुरु पूजन एवं दीप प्रज्वलन कर किया।

तत्पश्चात डा बी के जैन एवं डा ईलेश जैन ने मुख्य अतिथियों का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया।कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए ट्रस्टी डा इलेश जैन कहा कि विजन 20-20 एक ऐसा प्लेटफार्म है जिसके जरिए हम सब अपनी अपनी समस्याएं एक दूसरे के सामने रख सकते है और सरकार तक भी पहुंचा सकते है कोई भी संस्थान छोटी बड़ी नही होती है सब अपने अपने स्तर से अच्छा काम करती है और हर संस्थान किसी न किसी क्षेत्र में एक्सपर्ट होती है इसलिए सबको बिना हिचक के आपस में एक दूसरे से अपने अपने अनुभव साझा करना चाहिए साथ ही प्रदेश स्तर पर अगर कमेटी सब बना ले तो और बेहतर काम हम सब लोग कर सकते है। वहीं ट्रस्ट के ट्रस्टी एवं डायरेक्टर डा बी के जैन सबका स्वागत अभिनंदन ब्यक्त करते हुए कहा कि अगर संगठित होकर सब काम करेगे तो निश्चित तौर पर सफलता मिलेगी अगर टीम मजबूत होगी तो काम भी अच्छा होगा, उन्होंने बताया कि मेरे अनुभव से आज तक अगर सफलता मिली है तो एक साथ जब संस्थाने, एन जी ओ और सरकार ने मिलकर काम किया है तब मिली उदाहरण के तौर पर उन्होंने पोलियो और अंधत्व निवारण को बताया इसलिए ज्यादा से ज्यादा अंधत्व के क्षेत्र में काम करने वाली संस्थानों को इस विजन 20-20 प्लेटफार्म में जुड़ना चाहिए और जब संगठन मजबूत होगा और कोई बात या अपनी समस्या संगठित होकर सरकार के सामने रखेंगे या लेकर जायेगे तो जरूर आपकी सुनवाई होगी।

23 जून को होगी एमपीपीएससी परीक्षा

4400 अभ्यर्थी होंगे शामिल, सतना में बनाए गए 9 सेंटर, एसडीएम ने लिया केंद्रों में इंतजामों का जायजा

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मध्य प्रदेश लोकसेवा आयोग (एमपीपीएससी) की परीक्षा 23 जून को आयोजित की जाएगी। परीक्षा के लिए सतना में 9 सेंटर बनाए गए हैं। शासकीय सेवकों की भर्ती के लिए मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा 23 जून को आयोजित की जाने वाली एमपीपीएससी परीक्षा के लिए सतना में 9 केंद्र बनाए गए हैं।

परीक्षा दो पालियों में सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक और दोपहर सवा 2 बजे से सायं सवा 4 बजे तक होगी जिसमें 4400 अभ्यर्थी शामिल होंगे।

शनिवार को एसडीएम रघुराजनगर राहुल सिलाड़िया ने पटवारी बृजेश निगम के साथ परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया और वहां उपलब्ध व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

ये बनाए गए सेंटर: सतना शहर में बनाए गए 9 सेंटरों में उत्कृष्ट विद्यालय व्यंकट क्रमांक 1 , शासकीय स्वशासी महाविद्यालय निराला भवन रीवा रोड, सरस्वती हायर सेकेंडरी स्कूल कृष्ण नगर, विट्स कालेज करही रोड, इंदिरा कन्या महाविद्यालय स्टेशन रोड, संत कंवर सिंधु हायर सेकेंडरी स्कूल सिंधी कैंप, बोनांजा कॉन्वेंट स्कूल बदखर, सेंट माइकल स्कूल अमौधा व महारानी लक्ष्मीबाई स्कूल स्टेशन रोड शामिल हैं।

ईद-उल-जुहा पर्व पर सतना शहर में कानून व्यवस्था बनाये रखने

कार्यपालिक मजिस्ट्रेटों की ड्यूटी

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। प्रभारी कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट स्वप्निल वानखड़े ने सोमवार 17 जून 2024 को ईद-उल-जुहा त्यौहार के अवसर पर सतना शहर में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने शहर के अलग-अलग क्षेत्रों के लिये तीन कार्यपालिक मजिस्ट्रेटों की ड्यूटी लगाई गई है।

जारी आदेशानुसार थाना सिटी कोतवाली अंतर्गत संपूर्ण मस्जिद क्षेत्र के लिये प्रभारी तहसीलदार सौरभ मिश्रा, थाना कोलगवां अंतर्गत संपूर्ण मस्जिद क्षेत्र के लिये प्रभारी नायब तहसीलदार राजेश सिंह तथा थाना सिविल अंतर्गत संपूर्ण मस्जिद क्षेत्र के लिये अधीक्षक भू-अभिलेख मुन्नालाल तिवारी की तैनाती कार्यपालिक मजिस्ट्रेट के रुप में की गई है। ड्यूटी में तैनात कार्यपालिक मजिस्ट्रेट संबंधित क्षेत्र के थाना प्रभारी से समन्वय स्थापित कर कानून व्यवस्था बनाये रखना सुनिश्चित करेंगे। संपूर्ण व्यवस्था के लिये प्रभारी अधिकारी अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) रघुराजनगर ग्रामीण राहुल सिलाढ़िया होंगे।

चित्रकूट में युद्ध स्तर पर मंदाकिनी नदी की सफाई

सिंचाई विभाग ने नावें लगाकर कर्वी और सीतापुर में शुरू कराई सफाई

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट निप्र। चित्रकूट जिलाधिकारी के निर्देश पर गंगा दशहरा के पहले मंदाकिनी नदी की सफाई का काम सिंचाई विभाग ने युद्ध स्तर पर शुरु किया है। सीतापुर में पन्नालाल घाट से लेकर बड़े हनुमान जी मंदिर तक और कर्वी में इंटेकवेल से लेकर पुलघाट तक आधा दर्जन से अधिक नावें लगाकर अभियान का शुभारंभ किया गया है।

नावें लगाकर सफाई अभियान का शुभारंभ किया: बुंदेली सेना के जिलाध्यक्ष अजीत सिंह ने बताया कि गंगा समिति की बैठक में जिलाधिकारी से नदी

सफाई कराने का अनुरोध किया गया था। जिलाधिकारी ने सिंचाई विभाग को बैठक में ही निर्देश दिए थे कि नदी की सफाई कराई जाय। डीएम के निर्देश पर सिंचाई विभाग ने सीतापुर और कर्वी में एक साथ नावें लगाकर सफाई अभियान का शुभारंभ किया।

शनिवार को भी युद्ध स्तर पर अभियान जारी रहा: रविवार को गंगा दशहरा के पहले विभाग ने नदी को साफस्वच्छ करने का लक्ष्य बनाया है। कर्वी पुलघाट में तो पनसोखना से नदी पट गई थी यहां घाट पर नहाना भी दूभर था। शुक्रवार से शुरु हुए अभियान के तहत ट्रकों से मलबा नदी के बाहर किया गया। शनिवार को भी युद्ध स्तर पर अभियान जारी रहा।

अगला विश्व युद्ध पानी के लिए होगा: सिंचाई विभाग के अधिशाषी अभियंता एसके प्रसाद के निर्देश पर एई गुरु प्रसाद और जेई देवेंद्र शुक्ला लगातार नदी घाट पर सफाई करा रहे हैं। बुंदेली सेना जिलाध्यक्ष अजीत सिंह ने बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेई ने कहा था कि अगला विश्व युद्ध पानी के लिए होगा।

बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं: दिल्ली जैसे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में पेयजल को लेकर हाहाकार मचा है। तीर्थ क्षेत्र में मंदाकिनी नदी यहां की लाइफ लाइन है। बावजूद इसके पढ़े-लिखे मूर्ख नदी में कचरा फेंककर बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं।

धर्मभीरु लोग गन्दा पानी घरों में आने पर प्रशासन को कोसतें हैं और वही लोग परम्पराओं के नामपर नदी में हवन पूजन सामग्री फेंक रहे हैं। नदी के साथ यह अत्याचार बंद न हुआ तो नदी को बचाना कठिन हो जाएगा।

सहिजना उबारी में होगा जल गंगा संवर्धन अभियान का समापन

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। राज्य शासन के निर्देशानुसार जिलेभर में 5 जून से 16 जून तक ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में परंपरागत जल स्त्रोतों की साफ-सफाई, नदी, तालाबों के जनसहयोग से पुर्नरुद्धार का जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। सतना जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान का समापन रविवार 16 जून को प्रात: 9 बजे से उचेहरा की ग्राम पंचायत सहिजना उबारी में किया जायेगा। जिले के जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों, कर्मचारियों की उपस्थिति में जनसहभागिता के माध्यम से आम ग्रामीणों के सहयोग से गंगा दशहरा पर समापन कार्यक्रम में कैथा मोड़ के पास नदी की गाद निकासी, पौधरोपण, स्टॉपडैम एवं घाट मरम्मत और वृक्षारोपण की तैयारियों के कार्य को अंतिम रुप प्रदान किया जायेगा। सीईओ जिला पंचायत सुश्री संजना जैन ने सभी पंचायत प्रतिनिधियों एवं आसपास की पंचायतों के ग्रामीणजनों से कार्यक्रम में सहभागिता करने की अपेक्षा की है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।